दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

नए युग में स्त्री....... देश का गणतंत्र......

वर्ष : 12 | अंक : 30 | लखनऊ, 21 जनवरी, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

भाजपा में नितिन नबीन युग का आरम्भ, बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

अटल भवन में कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर दी बधाई

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख /

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने और कार्यभार संभालने के उपलक्ष्य में जनपद स्थित भाजपा कार्यालय अटल भवन में हर्षोल्लास का माहौल देखा गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा ने इस मौके पर कहा कि नितिन नबीन के नेतृत्व में पार्टी संगठन और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे राष्ट्रहित और जनकल्याण के कार्यों को नई गति मिलेगी। मिश्रा ने इस क्षण को पार्टी के लिए गौरवपूर्ण बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें जिला महामंत्री वरुण सिंह, जिला महामंत्री बिंदु विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आद्या सिंह, पूर्व जिला महामंत्री डॉ. अजय सिंह पिंकू, जिला मंत्री अवधेश त्रिपाठी, एलडीबी चेयरमैन घनश्याम तिवारी, जिला कार्यसमिति सदस्य संदीप उपाध्याय, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ललिता तिवारी, महिला मोर्चा महामंत्री साधना पांडे, मंडल अध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी, राकेश गुप्ता, सभासद सरोज तिवारी, मंडल महामंत्री मनीष त्रिपाठी और दिनेश मिश्रा शामिल थे। कार्यकताओं ने इस दौरान खुशी जाहिर करते हुए पार्टी की एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती का संदेश दिया।

नोएडा में 'रफ़्तार का कहर'! भंगेल एलिवेटेड रोड पर जगुआर ने बरपाया मौत का तांडव, एक युवती की मौत, तीन की हालत नाजुक

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली से सटे नोएडा के भंगेल एलिवेटेड रोड पर मंगलवार को एक रूह कपा देने वाला सड़क हादसा हुआ। बेकाबू रफ्तार से दौड़ रही एक जगुआर (खँ४१) कार ने कहर बरपाते हुए एक युवती की जान ले ली, जबकि तीन अन्य लोग इस टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एलिवेटेड रोड पर चीख-पुकार मच गई और ट्रैफिक थम गया। यह तेज रफ्तार टक्कर एक जगुआर कार से हुई और इससे भारी नुकसान हुआ, जिससे इलाके में आने-जाने वालों में दहशत फैल गई। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, लग्जरी कार बहुत तेज रफ्तार से चल रही थी जब वह जोरदार तरीके से टकरा गई। चश्मदीदों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसकी आवाज दूर तक सुनाई दी और पास के वाहन अचानक रुक गए।

ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए: अनंत विजय

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, अखिल भारतीय साहित्य परिषद् द्वारा रविवार को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में 'ओटीटी प्लेटफॉर्म की साम ?ग्री का नियमन' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए 'ओवर द टॉप का मायाजाल' पुस्तक के लेखक एवं समीक्षक अनंत विजय ने कहा कि ओवर द टॉप यानी ओटीटी पर जिस तरह की सामग्री परोसी जा रही है, इसे लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही है। अच्छी बात है कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद् इस विषय पर परिचर्चा आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि सिनेमा से ज्यादा बड़ा फलक ओटीटी का हो गया है। इस माध्यम में कुछ अच्छी कहानियां दिखाई जा रही हैं, लेकिन अनेक कहानियों में प्रस्तुत भगवान का उपहास उड़ाने की प्रवृत्ति, सेना और सैनिकों की छवि खराब करने जैसे प्रसंग, गाली-गलौज, यौनिकता, नग्नता, हिंसा से भरे कंटेट चिंता का विषय है और उस पर कहीं न कहीं अंकुश लगाने की आवश्यकता है। मेरा मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए। सरकार पर इसे लेकर बहुत दबाव है और वह विचार कर रही है। हालांकि इसके लिए काफी संसाधनों की आवश्यकता होगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के अ.भा. कार्यालय मंत्री संजीव सिन्हा ने संस्था परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि परिषद् भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों की संस्था है। 1966 ई. में स्थापित इस संस्था के संस्थापक अध्यक्ष महान साहित्यकार जैनेंद्र कुमार थे। 'साहित्य परिक्रमा' पत्रिका प्रबंधक रजनी मान ने परिषद् के रीवा राष्ट्रीय अधिवेशन में 'ओटीटी प्लेटफॉर्म की सामग्री का नियमन' विषय पर पारित प्रस्ताव का पाठ प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्स पर प्रसारित होनेवाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए। परिचर्चा का संचालन इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती, आरके पुरम विभाग के अध्यक्ष एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्राध्यापक मलखान सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक मुन्ना रजक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के अ.भा. कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण आर्य, इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के अध्यक्ष विनोद बब्बर, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा एवं ममता वालिया, संयुक्त महामंत्री बृजेश गर्ग, मंत्री सुनीता बुग्गा एवं राकेश कुमार, जगदीश सिंह, नरेन्द्र मिश्र, अखिलेश द्विवेदी, नवीन नीरज, जितेन्द्र कालरा सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

खबर संक्षेप

असम में भड़की हिंसा एक की मौत

कोकराझार। असम के कोकराझार जिले में हिंसा के बाद आदिवासियों के बीच कथित तौर पर झड़पें हुईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। त्वरित कार्रवाई बल तैनात किया गया है और इंटरनेट मोबाइल डेटा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। वेशी चोरी के संदेह में सोमवार को भीड़ ने पांच लोग पर हमला किया था।

बसताड़ा टोल प्लाजा पर बिना रुके कटेगा टैक्स

चंडीगढ़। नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए बड़ी खबर है। अब हरियाणा के करनाल जिले में स्थित बसताड़ा टोल प्लाजा पर अब टोल टैक्स भरने के लिए वाहनों को रुकना नहीं पड़ेगा। यहां पर ऑटोमैटिक टोल कट जाएगा। बसताड़ा टोल प्लाजा पर मल्टी लेन फ्री फ्लो सिस्टम लगभग तैयार है।

राहुल ने प्रीमियर लीग का किया शुभारंभ

रायबरेली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के अपने संसदीय क्षेत्र के 2 दिवसीय दौरे से पहले मंगलवार को रायबरेली में पोस्टर लगाए गए हैं। इनमें राहुल और सपा के प्रमुख अखिलेश यादव को 2027 और 2029 के लिए इंडिया के कप्तान के रूप में दर्शाया गया है। इस दौरान राहुल ने भाजपा पर हमला भी किया।

72 घंटे पहले रद्दीकरण पर मिलेगा 25% रिफंड

नई दिल्ली। 16 जनवरी से रेलवे ने नया नियम बनाया है। अब वंदे भारत में प्रस्थान समय से 72 घंटे से अधिक समय पहले कैंसिल किया जाता है तो 25 प्रतिशत राशि काटी जाएगी। 72 घंटे से लेकर 8 घंटे तक के अन्दर कैंसिल किया जाता है तो कैंसिलेशन चार्ज के तौर पर 50 फीसदी राशि काटेगी। 8 घंटे से कम समय में कैंसिल किया है तो रिफंड नहीं होगा।

तमिलनाडु में विधानसभा का सत्र शुरू होने से पहले ही नाराजगी बढ़ी

राष्ट्रगान का 'अपमान' का आरोप लगाकर राज्यपाल ने नहीं दिया उद्घाटन भाषण, लौटे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवी ने मंगलवार को विधानसभा का साल का पहला सत्र शुरू होने से पहले परंपरागत उद्घाटन भाषण नहीं दिया और गुस्से में कक्ष छोड़ दिया। इसका कारण राष्ट्रीय गान के प्रति सम्मान की कमी बताया। राज्यपाल ने कहा कि डीएमके सरकार द्वारा तैयार किए गए भाषण में कुछ असत्य और गलत तथ्य थे। उनके माइक को बार-बार बंद किया गया और उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई। राज्यपाल ने कहा मैं बेहद निराश हूं। राष्ट्रीय गान का उचित सम्मान नहीं किया गया। मेरा भाषण बार-बार रोका गया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। विधानसभा के अंदर स्थिति तनावपूर्ण हो गई और सभापति एम. अप्पावु ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वे विधानसभा के नियमों और प्रथाओं का पालन करें। वहीं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनके मंत्रिपरिषद सदस्य इन हमलों का मुकाबला करने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे विधानसभा सत्र राजनीतिक रूप से तनावपूर्ण बन गया है।

डीएमके के भाषण के कुछ हिस्से को बताया गलत

सदन में राज्यपाल रवि

- राज्यपाल ने विधानसभा छोड़ने के कारण बताए
- राजभवन ने प्रेस रिलीज जारी कर राज्यपाल के कक्ष छोड़ने के कारण स्पष्ट किए।
- राज्यपाल का माइक बार-बार बंद किया गया और उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई।
- भाषण में भ्रामक दावे और असत्यापित बातें शामिल थीं।
- दलितों के खिलाफ अत्याचार और दलित महिलाओं के साथ यौन हिंसा के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है
- युवाओं में ड्रग्स का दुरुपयोग भी बढ़ रहा है, लेकिन इन गंभीर मुद्दों को भाषण में शामिल नहीं किया गया।

सीएम स्टालिन ने राज्यपाल पर लगाया शिष्टाचार के उल्लंघन का आरोप

स्टालिन ने राज्यपाल पर आरोप लगाया कि उन्होंने परंपरा और शिष्टाचार का उल्लंघन करते हुए कक्ष छोड़ा। सरकार द्वारा तैयार किए गए भाषण में राज्यपाल को अपनी राय जोड़ने या अलग कुछ कहने की कोई जगह नहीं थी। राज्यपाल ने यह कदम जानबूझकर उठाया और इसका मतलब विधानसभा की अवमानना है। डीएमके का मानना है कि राज्यपाल की आवश्यकता नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई और एम करुणानिधि ने इस पद का सम्मान किया था।

भाषण न पढ़ना स्वीकार नहीं होगा

मुख्यमंत्री ने सदन में एक प्रस्ताव पेश किया। इसमें कहा गया कि राज्यपाल का भाषण न पढ़ना स्वीकार नहीं किया जाएगा। केवल सरकार द्वारा तैयार किया गया टेक्स्ट जिसे स्पीकर एम अप्पावु ने तमिल में पढ़ा था, वही रिकॉर्ड में जाएगा। स्टालिन ने इसके लिए विधायकों को धन्यवाद भी दिया।

बोले स्टालिन

हम नियम में बदलाव की करेंगे कोशिश

मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पर कहा कि उनकी पार्टी संविधान में बदलाव लाने की कोशिश करेगी। वे चाहते हैं कि साल की शुरुआत में विधानसभा में राज्यपाल के भाषण को जरूरी बनाने वाला नियम हट जाए। इसके लिए वे संसद में दूसरी पार्टियों का समर्थन लेंगे। यह बयान तब आया जब रवि ने सरकार का लिखा भाषण पढ़ने से मना कर दिया और सदन से चले गए। राज्यपाल ने भाषण में गलतियां होने की बात कही थी। स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल का हर साल ऐसा करना ठीक नहीं है। रवि ने 2021 के बाद चौथी बार ऐसा किया है। जब राज्यपाल बार-बार परंपरा तोड़ते हैं, तो इस नियम की जरूरत ही क्या है? डीएमके संसद में दूसरी पार्टियों की मदद से इस नियम को हटाने की कोशिश करेगी। स्टालिन ने सोशल मीडिया पर भी लिखा कि राज्यपाल के भाषण को गैर-जरूरी बनाने के लिए संविधान में बदलाव होना चाहिए।

विधायकों ने जमकर की नारेबाजी

सीएम ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 176 के तहत भाषण सरकार तैयार करती है और राज्यपाल को इसे पूरा पढ़ना चाहिए। उन्हें इसमें अपनी मर्जी से बदलाव करने या इसे छोड़ने का हक नहीं है। स्टालिन ने डीएमके संस्थापक अन्नादुरई की बात याद दिलाई कि बकरी को दाढ़ी की जरूरत नहीं होती, वैसे ही राज्य को राज्यपाल की जरूरत नहीं है। जब राज्यपाल सदन से जा रहे थे, तब सत्ताधारी पार्टी और उनके सहयोगी दलों के विधायकों ने जमकर नारेबाजी भी की।

सबरीमाला सोना चोरी मामला

तीन राज्यों में ईडी की छापेमारी अब तक 11 आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केरल में सबरीमाला मंदिर से जुड़े बहुचर्चित सोना चोरी मामले में जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। ईडी मनी लॉन्टरी से जुड़े फंड ट्रांजैक्शन की जांच के तहत 21 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। ये छापे केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के अलग-अलग ठिकानों पर मारे गए। केरल के विश्व प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर से जुड़ा सोना चोरी विवाद पहली बार 2019 में सामने आया, लेकिन जांच में पता चला कि इसकी जड़ें 1998–99 तक जाती हैं। 2019 में मंदिर की मरम्मत और गोल्ड प्लेटिंग के नाम पर भगवान अयप्पा मंदिर की मूर्तियों और संरचनाओं पर चढ़ा सोना बाहर भेजा गया था। 42.8 किलो सोने की प्लेटेड मूर्तियां मरम्मत के लिए चेन्नई की एक निजी फर्म को दी गईं, लेकिन जब ये मूर्तियां लौटीं, तो उनका वजन केवल 38.2 किलो पाया गया। करीब 4.5 किलो सोना गायब था। इस मामले में अब तक 11 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं।

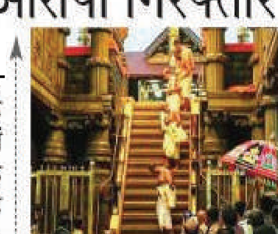

'घिसावट' बताकर दी गई सफाई, कागजों में खेल कर दिया

जब वजन कम निकलने पर सवाल उठे, तो इसे सामान्य घिसावट बताकर नजरअंदाज कर मामले पर लीपापोती करने की कोशिश की गई। इससे भी गंभीर बात यह थी कि मंदिर प्रबंधन संस्था त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने कागजों में सोने की प्लेटों को तांबे की प्लेट के रूप में दर्ज कर दिया। कोर्ट ने इसे गंभीर लापरवाही और संदिग्ध कार्रवाई माना। विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने पुरानी और नई तस्वीरों की तुलना की। इससे स्पष्ट हुआ कि मंदिर की मूर्तियों, दरवाजों, सीढ़ियों, नक्काशीदार हिस्सों से सोने की परतहटाई गई थी। हालांकि भगवान अयप्पा की मुख्य मूर्ति से सोना चोरी के सीधे सबूत नहीं मिले हैं।

नियम तोड़कर मंदिर से बाहर भेजी गई मूर्तियां

जांच में सामने आया कि सोने की प्लेटिंग वाली मूर्तियों को मंदिर परिसर से बाहर ले जाने की अनुमति दी गई थी। मरम्मत मंदिर के अंदर के परिसर में ही होती है। कोर्ट ने इसे भी गलत बताया। उन्नीकृष्णन पोट्टी को 475 ग्राम अतिरिक्त सोना रखने की अनुमति दी गई थी।

केमिकल प्रोसेस से निकाला गया सोना

जांच में पता चला कि चेन्नई की फर्म में केमिकल प्रोसेस के जरिए सोना निकाला गया और कम मात्रा में फिर से प्लेटिंग की गई। निकाला गया सोना बाद में कर्नाटक के बेल्लारी के एक ज्वेलर तक पहुंचा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन ने पदभार संभालते ही की नियुक्तियां

विनोद तावड़े केरल विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी प्रभारी बने

आशीष शेलार को तेलंगाना निगम चुनाव की कमान सौंपी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने पदभार संभालते ही चुनाव प्रबंधन को लेकर कई नियुक्तियां की। विनोद तावड़े को केरल विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी प्रभारी और चंडीगढ़ मेयर चुनाव का पर्यवेक्षक बनाया गया है। साथ ही, राम माधव को ग्रेटर बेंगलुरु और आशीष शेलार को तेलंगाना निगम चुनाव की कमान सौंपी गई है। पार्टी ने आगामी विधानसभा और नगर निगम चुनावों के लिए अपने भरोसेमंद और अनुभवी रणनीतिकारों को जिम्मेदारी सौंपी हैं। केरल विधानसभा चुनाव हेतु राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को केरल का चुनाव प्रभारी और केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे को सह-चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

विनोद तावड़े

राम माधव

ग्रेटर बेंगलुरु निगम की जिम्मेदारी राम माधव को

ग्रेटर बेंगलुरु निगम चुनाव हेतु पार्टी ने यहाँ दिग्गज नेता राम माधव को जिम्मेदारी दी है, उन्हें चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ सतीश पूनिया और संजय उपाध्याय सह-चुनाव प्रभारी होंगे। तेलंगाना नगर निगम चुनाव के लिए महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार को यहाँ की कमान सौंपी गई है। राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष अशोक परनामी और सांसद रेखा शर्मा को सह-चुनाव प्रभारी बनाया गया है। चंडीगढ़ मेयर चुनाव हेतु विनोद तावड़े को इस चुनाव के लिए विशेष तौर पर चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

मेला प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को जारी किया नोटिस

आप शंकराचार्य होने का प्रमाण दें, शिविर के बाहर नोटिस चस्पा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

मेला प्राधिकरण ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस जारी किया है। 24 घंटे में जवाब मांगा है कि साबित करें की आप ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य हैं। सुप्रीम कोर्ट के रोक के बाद भी आपने अपने नाम के आगे शंकराचार्य लगाया है, जो कि गलत है। मौनी अमावस्या पर स्नान को लेकर मेला प्रशासन और शंकराचार्य में काफी विवाद हो गया था। इसके बाद अविमुक्तेश्वरानंद को बिना स्नान किए ही शिविर में लौटा दिया गया था। आरोप है पुलिस ने उनके शिष्यों को पीटा और बाल पकड़कर घसीटा। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वह भी मेला प्रशासन को नोटिस जारी करेंगे।

शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेक नहीं हुआ: सुप्रीम कोर्ट का दिया हवाला

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

स्वामी निश्चलानंद सरस्वती

नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा गया है कि किसी भी धर्माचार्य का ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेक नहीं हुआ है। इसके बावजूद शिविर के बोर्ड पर खुद को शंकराचार्य प्रदर्शित करना इस आदेश की अवहेलना है। अभी कोई पदाधिकारी नहीं है जो नोटिस रिसीव कर सके। इसके बाद नोटिस को शिविर के बाहर चस्पा किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने शंकराचार्य लिखने पर नहीं लगाई रोक : वकील

अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठे हैं। शंकराचार्य लिखने के जवाब में उनके अधिवक्ता सामने आ गए हैं। अविमुक्तेश्वरानंद के अधिवक्ता पीएन मिश्र ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पट्टाभिषेक पर रोक लगाई है। ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य लिखने पर रोक नहीं है। अविमुक्तेश्वरानंद स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य हैं। उनके गुरु ने उनके नाम रजिस्टर्ड वसीयत की है। इसी के आधार पर वह शंकराचार्य लिख रहे हैं।

मैं पक्ष में हूं न विपक्ष में स्वामी निश्चलानंद

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शंकराचार्य के रूप में पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती का मौन समर्थन मिलने का दावा किया था। स्वामी निश्चलानंद ने उस पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, मैं इस मामले में कुछ बोलना नहीं चाहता। मैं किसी के पक्ष में हूं न विपक्ष में।

नगर निगम में विशेष स्वास्थ्य एवं कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

पीएसआई इंडिया व एचसीएल फाउंडेशन के 'स्वच्छ उदय' कार्यक्रम के तहत हुआ आयोजन

● शिविर में 312 सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण, 110 जरूरतमंदों को मिला चश्मा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नगर निगम के त्रिलोक नाथ सभागार में मंगलवार को स्वच्छता कर्मियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित शिविर में 312 सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण व कैंसर स्क्रीनिंग की गयी। शिविर में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, आँखों, दांतों आदि की जाँच की गयी। जांच के बाद 110 सफाई कर्मियों को चश्मे भी प्रदान किए गए। लक्षणों के आधार पर टीबी के लिए बलगम की जाँच और छाती का एक्स-रे भी किया गया। त्वचा एवं अन्य रोगों के लक्षणों के आधार पर दवाएं भी प्रदान की गयीं।

स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन. बी. सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. के. श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर ललित कुमार ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की शीघ्र जाँच और उपचार की आवश्यकता पर बल दिया ताकि सफाई कर्मचारी स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने स्वस्थ समाज के लिए सफाई कर्मचारियों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शहर में सफाई व्यवस्था बनाए रखने, पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने और हर किसी को स्वस्थ रखने में सफाई कर्मचारियों के योगदान की सराहना भी की। उन्होंने विभिन्न हितधारकों को संगठित कर शिविर आयोजित करने में पीएसआई इंडिया की टीम के प्रयासों की सराहना की।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भी शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मचारियों की भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है, स्वास्थ्य विभाग उनके लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने में हरसंभव मदद को तैयार है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि लखनऊ नगर निगम पीएसआई इंडिया के साथ मिलकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रहा है। उन्होंने सफाई कर्मियों की बेहतरी के लिए संसाधन और स्टेकहोल्डर्स को जुटाकर हेल्थ कैंप आयोजित करने के लिए पीएसआई इंडिया के प्रयासों की तारीफ की। उन्होंने यह भी बताया कि पीएसआई इंडिया और लखनऊ नगर निगम सभी जोन के लिए हेल्थ कैंप आयोजित कर रहा है। उन्होंने सैनिटेशन वर्कर्स से इस हेल्थ कैंप का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की। पीएसआई इंडिया से दिनेश कुमार पाण्डेय ने एचसीएल फाउंडेशन एवं लखनऊ नगर निगम के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पीएसआई इंडिया सफाई मित्रों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य में सुधार के लिए कार्य कर रही हैक विगत तीन वर्षो से पीएसआई इंडिया उनकी सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का भी आयोजन कर रही है। इसके साथ ही पीएसआई इंडिया प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत सफाई मित्रों को जोड़ रही है।

ज्ञात हो कि पीएसआई इंडिया और एचसीएल फाउंडेशन नगर निगम के सहयोग से लखनऊ के 26 वार्डों में ह्यस्वच्छ उदयह्न कार्यक्रम चला रहे हैं। इसके तहत मोहल्लों में साफ-सफाई, पानी का सही रखरखाव और कूड़ा पृथक्करण पर समुदाय में लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि लोग बीमारियों से सुरक्षित रहें। इसके लिए मोहल्ला स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है। समुदायों में महिला आरोग्य समितियों को भी सक्रिय किया गया है। पीएसआई इंडिया समुदाय में वाश से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सेवाओं में सुधार के लिए लखनऊ नगर निगम द्वारा संचालित लखनऊ-वन ऐप और टोल फ्री नंबर 1533 को भी प्रमोट कर रही है।

मिट्टी गिराने गए चालक पर हमला, गाड़ी में तोड़फोड़, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई थाना क्षेत्र के पाठकपुरम कॉलोनी में बीते सोमवार देर रात मिट्टी गिराने गए एक वाहन चालक पर जानलेवा हमला और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। पीड़ित गगन सिंह, निवासी एकता नगर, कल्ली पश्चिम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह परमीशन लेकर मिट्टी गिराने का कार्य करता है।

गगन सिंह के अनुसार, सोमवार रात करीब 9:45 बजे वह पाठकपुरम कॉलोनी में अपनी मिट्टी से लदी गाड़ी लेकर पहुंचा था। इसी दौरान चार पहिया वाहन स्कॉर्पियो से आए चार अज्ञात व्यक्तियों ने उसके साथ अभद्र भाषा में गाली-गलौच शुरू कर दी।

विरोध करने पर आरोपियों ने उस पर शराब की बोतल से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए जब वह अपनी चार पहिया गाड़ी के अंदर घुसा, तो आरोपियों ने ईंट से गाड़ी का शीशा तोड़ दिया। इसके बाद हमलावरों ने अपनी स्कॉर्पियो से पीड़ित की गाड़ी में टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो गए।

पीड़ित की शिकायत पर पीजीआई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी से की शिष्टाचार भेंट

● ओम बिरला जी के नेतृत्व में लोकसभा ने स्थापित किए विधायी उत्पादकता के नए कीर्तिमान – डॉ. राजेश्वर सिंह

गहन संसदीय ज्ञान, अटल नैतिकता, लोकतंत्र के प्रति अटूट निष्ठा के प्रतीक हैं लोस अध्यक्ष ओम बिरला – डॉ. राजेश्वर सिंह

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मंगलवार को राजभवन, लखनऊ में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। यह मुलाकात उस अवसर पर हुई जब लोकसभा अध्यक्ष 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लेने के लिए लखनऊ में हैं। इस मुलाकात की जानकारी देते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर लिखा कि ओम बिरला जी के नेतृत्व में लोकसभा ने विधायी उत्पादकता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। सदन में समय का कुशल प्रबंधन, विधेयकों का त्वरित एवं सुव्यवस्थित पारित होना तथा बहसों में गहनता और संतुलन ये सभी उनके सर्वसमावेशी, नियम-आधारित और परिणामोन्मुख नेतृत्व के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। डॉ. सिंह ने आगे उल्लेख किया कि लोकसभा अध्यक्ष के कार्यकाल में डिजिटल संसद की अवधारणा को साकार करते हुए ई-पार्लियामेंट, पेपरलेस कार्यप्रणाली, अक-सक्षम बहुभाषी अनुवाद, वास्तविक समय में ट्रांसक्रिप्शन तथा समेकित डिजिटल डेटाबेस जैसी क्रांतिकारी पहलें लागू की गईं, जिनसे संसद अधिक पारदर्शी, समावेशी, सुलभ और जवाबदेह बनी है। ओम बिरला की प्रसंशा करते हुए डॉ. सिंह ने आगे जोड़ा, आपका गहन संसदीय ज्ञान, अटल नैतिकता, लोकतंत्र के प्रति अटूट निष्ठा तथा सर्वोपरि राष्ट्रहित की दृढ़ प्रतिबद्धता प्रत्येक सांसद एवं नागरिक के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अंत में, डॉ. राजेश्वर सिंह ने कामना व्यक्त की कि ओम बिरला जी के नेतृत्व में लोकसभा लोकतांत्रिक मूल्यों, विधायी गुणवत्ता और संस्थागत विश्वसनीयता की नित नई ऊँचाइयों को स्पर्श करती रहे, और भारतीय लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ बने।

पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित भंडारा, सामाजिक एकजुटता का दिया संदेश.......

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। क्षेत्र में मंगलवार को स्वर्गीय अवध किशोर शर्मा की वार्षिक पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पुत्र अतुल शर्मा व परिवार की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। न्यू डेरी रोड मार्ग पर आयोजित इस धार्मिक व सामाजिक आयोजन में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। दोपहर करीब 12 बजे से शुरू हुए भंडारे में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, शुभचिंतक, रिश्तेदार एवं राहगीर शामिल हुए और श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रही और सेवा भाव से भोजन वितरण किया गया। इस मौके पर अतुल शर्मा ने बताया कि उनके पिता स्व. अवध किशोर शर्मा समाज सेवा और परोपकार के कार्यों में सदैव अग्रणी रहते थे। उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से परिवार द्वारा प्रतिवर्ष पुण्यतिथि पर भंडारे का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूती मिलती है। स्थानीय लोगों ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य भी करते हैं। भंडारे के माध्यम से जरूरतमंदों और आमजन को भोजन उपलब्ध कराकर मानवीय संवेदनाओं को प्रोत्साहित किया गया। आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें युवाओं और परिजनों ने सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई।

पीजीआई परिसर में युवक का हाई वोल्टेज ड्रामा, मोबाइल टावर पर चढ़ा

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एसजीपीजीआई परिसर के अंदर एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर पर युवक को देख परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मोबाइल टावर पर चढ़ने वाले युवक की पहचान इरशाद खान (27) पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद इसराइल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से ग्राम सिंदुरवा, तहसील मुसाफिरखाना, जिला अमेठी का निवासी है। इरशाद बचपन से ही पीजीआई परिसर में रह रहा था। उसके पिता पीजीआई में प्लंबर का कार्य करते थे और परिवार कैंपस में ही निवास करता था। पुलिस के अनुसार, इरशाद पीजीआई परिसर में रहते हुए सांप, गुर्जर, बिच्छू सहित घरों में घुस आने वाले अन्य जानवरों का रेस्क्यू कर उन्हें पकड़ने का काम करता था। कुछ गलत गतिविधियों के चलते करीब एक माह पूर्व उसे पीजीआई कैंपस से बाहर कर दिया गया था और दोबारा प्रवेश पर रोक लगाते हुए उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया था। मंगलवार को इरशाद दोबारा परिसर में रहने और काम देने की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीजीआई के निदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस और प्रशासन ने संयम और सूझबूझ के साथ युवक से बातचीत की। लगातार समझाने-बुझाने के बाद युवक को सुरक्षित रूप से मोबाइल टावर से नीचे उतार लिया गया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो गई। पुलिस के अनुसार घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है और मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

टक्कर से दस फीट उछलकर सड़क पर गिरी, लखनऊ में रोडवेज बस की टक्कर से इंस्पेक्टर की पत्नी की मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कैंट थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में आरपीएसएफ के इंस्पेक्टर की पत्नी 42 वर्षीय अनुराधा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा परिचित गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद रोडवेज बस चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। आलमबाग की आरपीएसएफ थर्ड बटालियन में तैनात इंस्पेक्टर बच्ची लाल गौतम वर्तमान में अयोध्या में ड्यूटी पर हैं। उनकी पत्नी अनुराधा सरोजिनी नगर स्थित सैनिक स्कूल के पास अपने परिवार के साथ रहती थीं। परिवार में दो बेटियां और एक बेटा शुभ है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। इंस्पेक्टर बच्ची लाल गौतम ने बताया कि सोमवार शाम उनकी पत्नी अनुराधा परिचित कुलदीप के साथ मोटरसाइकिल से गोमती नदी में मूर्ति विसर्जन करने गई थीं। विसर्जन के बाद देर शाम दोनों लौट रहे थे। इसी दौरान कैंट क्षेत्र में आर्मी हेडक्वार्टर के डाकखाने के पास पीछे से आ रही एक रोडवेज बस ने तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। पीछे बैठी अनुराधा उछलकर सड़क के दाहिनी तरफ जा गिरीं और गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहे कुलदीप अनियंत्रित होकर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मलिहाबाद में ई-रिक्शा चालक की हत्या कर शव फेंका

भाई ने लगाया पत्नी व बेटों पर हत्या का आरोप, तीन हिरासत में

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के खड़ता गांव में मंगलवार सुबह ई-रिक्शा चालक अर्जुन पाल (50) की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। अर्जुन का शव गांव से दूर नहर के किनारे ई-रिक्शा के नीचे दबा मिला। प्रथम दृष्टया मामला सड़क हादसे का प्रतीत हुआ, लेकिन शरीर पर मिले गहरे जख्म, घर में खून के धब्बे और परिजनों के आरोपों ने इसे हत्या का मामला बना दिया।

सड़क किनारे पर मिला शव, ऊपर पलटा था ई-रिक्शा

मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने नबीनगर और खड़ता गांव के बीच नहर और लिंक रोड के किनारे एक ई-रिक्शा पलटा देखा। जब पास जाकर देखा गया तो उसके नीचे अर्जुन पाल का शव पड़ा था। ग्रामीणों ने पहचान कर पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

शरीर पर गहरे जख्म, हत्या की आशंका

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अर्जुन के चेहरे, सिर और हाथों पर धारदार हथियार से किए गए वार के निशान थे। इन जख्मों को देखकर ग्रामीणों ने शुरू से ही सड़क हादसे के बजाय हत्या की आशंका जताई।

घर में मिले खून के धब्बे

ग्रामीणों को शक होने पर अर्जुन के घर जाकर पूछताछ की गई। पत्नी शिवरानी और दोनों बेटे गोलमोल जवाब देते नजर आए। शक गहराने पर ग्रामीणों ने कमरे में ताला लगा दिया। पुलिस के पहुंचने पर ताला खोला गया, जहां फर्श पर खून फैला मिला। और पास में रखी स्टील की टंकी में भी रक्त एकत्रित मिला इससे पत्नी और बेटों पर संदेह और मजबूत हो गया।

मृतक अर्जुन फाइल – फोटो

भाई ने पत्नी व बेटों पर लगाया हत्या का आरोप

मृतक के भाई मुन्नूलाल पाल ने मलिहाबाद थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि सोमवार रात अर्जुन का अपनी पत्नी शिवरानी और बेटों रूपलाल पाल व राजेंद्र पाल से विवाद हुआ था। इसी दौरान तीनों ने मिलकर लाठी-डंडे और धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी और बाद में शव को सड़क हादसे का रूप देने के लिए ई-रिक्शा के नीचे दबा दिया।

मृतक के घर के बाहर मौजूद भीड़

पत्नी ने अज्ञात के खिलाफ दी तहरीर

उधर, अर्जुन की पत्नी शिवरानी ने भी थाने में तहरीर देकर अज्ञात लोगों पर पति की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस दोनों पक्षों की तहरीरों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस, फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड मौके पर

सूचना मिलते ही मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी ऋषभ रुणवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किए।

पत्नी और दोनों बेटे हिरासत में

शक के आधार पर पुलिस ने शिवरानी और उसके दोनों बेटों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

नशे और पारिवारिक विवाद की आशंका

ग्रामीणों के अनुसार अर्जुन और उसके दोनों बेटे शराब पीने के आदी थे, जिससे आए दिन घर में विवाद होता रहता था। आशंका जताई जा रही है कि सोमवार रात भी नशे में विवाद हुआ और इसी दौरान सिर पर भारी चीज से वार होने से अर्जुन की मौत हो गई।

हादसे की साजिश रचने का आरोप

ग्रामीणों का मानना है कि हत्या के बाद शव को ई-रिक्शा पर लादकर गांव के बाहर ले जाया गया और सड़क किनारे फेंककर ई-रिक्शा उसके ऊपर पलटा दिया गया, ताकि इसे सड़क हादसा दिखाया जा सके। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

रस्म अदायगी बनते जा रहे विधानमंडल सत्र, शोर में दब रहा लोकतांत्रिक विमर्श

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। विधानमंडल सत्र अब धीरे-धीरे रस्म अदायगी तक सिमटते जा रहे हैं। सदन किसी एक दल की नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी का मंच होता है, लेकिन मौजूदा समय में यह भावना कमजोर पड़ती दिख रही है। सदन में विचार-विमर्श की जगह शोरगुल ने ले ली है। तर्कों के आधार पर बात रखने के बजाय शोर के माध्यम से अपनी बात मनवाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में इस विषय पर गंभीर चिंता जताई गई। विधान सभा के मंडप में चल रहे विमर्श में कहा गया कि विधानमंडलों की बैठकों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। संविधान में स्पष्ट प्रविधान है कि छह माह में कम से कम एक बार सदन की बैठक होनी चाहिए, इसका पालन तो हो रहा है लेकिन सत्र छोटे होते जा रहे हैं। अब अक्सर बजट पास कराने या विधेयक लाने के समय ही सत्र बुलाए जाते हैं। सम्मेलन में यह भी कहा गया कि वर्ष में कितने दिन न्यूनतम सदन की बैठक हो, इसका भी स्पष्ट प्रविधान होना चाहिए। सम्मेलन में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई कि सदन की बैठकों में कमी का सीधा असर कार्यपालिका की निगरानी पर पड़ रहा है। नियंत्रण कमजोर होता जा रहा है। अब जब सदन ही नहीं चलता है तो पक्ष और विपक्ष के बीच सार्थक चर्चा भी नहीं हो पाती है। सदन में दिए गए वचनों को पूरा करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन विशेषाधिकार के मामलों तक में राजनीति हावी होती दिख रही है, जो संसदीय परंपराओं के लिए शुभ संकेत नहीं है। सदन नहीं चल रहा है तो यह विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। विधायिका का भरोसा जनता में बढ़े इसके लिए पक्ष व विपक्ष सभी की साझी जिम्मेदारी है। मध्य प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को कैसे मजबूत करें इस पर चर्चा होनी चाहिए। लोकतंत्र हमारे संविधान की आत्मा है। विधान प्रक्रिया से आम लोगों को जोड़ना व सभी की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने में इसका फायदा मिलेगा।

यूपी चुनाव 2027 में जिला स्तरीय घोषणा पत्र पेश करेगी सपा, अखिलेश ने सांसदों से लिया विधानसभा क्षेत्रों का फीडबैक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। वर्ष 2027 में सत्ता पाने का तानाबाना बुन रही समाजवादी पार्टी ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने और सीधे जनता में पकड़ बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार हर जिले का अलग-अलग घोषणा पत्र बनाया जाएगा। मंगलवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी सांसदों के साथ बैठक कर उनके संसदीय क्षेत्र में शामिल विधानसभा क्षेत्रों और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में किए गए काम का फीडबैक लिया। जनता को छूने वाले मुद्दों चर्चा की गई। इस दौरान और विधानसभा चुनाव के लिए संभावित दावेदारों के नामों पर भी बात हुई। बैठक में सपा प्रमुख ने कहा कि सभी सांसदों को दिन-रात मेहनत करनी है। जनता के सुख-दुख में साथ रहकर उनके मुद्दों के लिए लड़ना है। सूत्रों के अनुसार सासंदों से एक-एक विधानसभा क्षेत्र की स्थिति, समीकरण और वहां पार्टी नेताओं की सक्रियता के संबंध में जानकारी ली गई। उनके क्षेत्रों के प्रमुख और जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके आधार पर ही जिलेवार घोषणा पत्र बनाए जाएंगे। सपा प्रमुख ने वर्ष 2024 का उदाहरण देते हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के लिए काम करने के निर्देश दिए। सभी को आपसी मतभेदों को पीछे छोड़ने की नसीहत दी। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा शासन में संविधान खतरे में है।

व्यापारी से रिश्वत लेने के दोषी आयकर विभाग के अधिकारी को सात वर्ष की जेल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। व्यापारी से कर निर्धारण के नाम पर दस लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में दोषी पाए गए आयकर विभाग के अधिकारी निरंजन कुमार को सीबीआइ मामलों के विशेष न्यायाधीश राहुल प्रकाश ने सात वर्ष की कैद और 1.70 लाख रुपये का जुमार्ना अदा करने का आदेश सुनाया। अभियोजन पक्ष द्वारा बताया गया कि इस मामले में शिकायतकर्ता जयकेश त्रिपाठी ने 27 मार्च 2015 को शिकायत दर्ज कराई थी। बताया गया कि वो मेसर्स प्रगति कालोनाइजर्स के निदेशक थे। उन्हें वर्ष 2011-12 के कर निर्धारण की प्रक्रिया के दौरान आयकर अधिकारी निरंजन कुमार बार-बार दस्तावेजों के साथ कार्यालय बुलाते रहे। सभी कागजात जमा करने के बावजूद 19 मार्च 2015 को दोषी द्वारा उन्हें बुलाकर दस लाख रुपये की मांग की और चेतावनी दी कि रकम न देने पर भारी जुमार्ना लगाकर परेशान किया जाएगा। इसके बाद सीबीआइ ने 31 मार्च 2015 को निरंजन कुमार को दो लाख रुपये की अग्रिम रिश्वत लेते हुए आयकर भवन से रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि गिरफ्तारी के दौरान आयकर भवन में मौजूद लगभग 70-80 लोगों द्वारा सीबीआइ की ट्रैप टीम पर हमला कर मारपीट की घटना को भी अंजाम दिया था।

लखनऊ के जानकीपुरम में डेढ़ करोड़ के बजट से तैयार होगा खेल का मैदान, युवाओं की निखरेगी प्रतिभा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। जानकीपुरम सेक्टर-जे में लंबे इंतजार के बाद जब खेल मैदान के विकास कार्य की शुरूआत हो रही है। करीब 25 वर्षों से यह मैदान उपेक्षित और अविकसित अवस्था में पड़ा हुआ था, जिससे बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को खेलकूद व सामूहिक गतिविधियों के लिए उचित स्थान नहीं मिल पा रहा था। अब इस ऐतिहासिक पहल से क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बन गया है। समाजसेवी विवेक शर्मा ने बताया कि जानकीपुरम द्वितीय वार्ड के सेक्टर-जे में स्थित यह मैदान सेंट मैरी अस्पताल के पीछे और जनेश्वर एंक्लेव के ठीक सामने विकसित किया जा रहा है।

संक्षेप

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

सफीपुर, उन्नाव। पांच दिन पूर्व परियर -मार्ग पर अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़े बिजली खंभे से टकराने से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए थे जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था जहा इलाज के दौरान मंगलवार एक युवक की मौत हो गई पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्मार्टम हेतु भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के गाव हमजापुर निवासी महेंद्र (25) पुत्र रामशंकर लोध गुरुवार को गांव के ही साथी दुलारे (35) पुत्र राजाराम के साथ बाइक से 15 जनवरी को किसी काम से आया काम निपटाकर देर शाम वापस गांव लौट रहे थे तभी परियर मार्ग कोतवाली क्षेत्र गाव गहोली के समीप सामने आए पशु को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़े विद्युत पोल से टकरा गई थी। हादसे में घायल दोनों युवको को राहगीरो ने सी एच सी सफीपुर में भर्ती कराया था जहा से दोनों की हालत गम्भीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था जहा दुलारे के स्वास्थ्य में सुधार हुआ पर बाइक चालक महेंद्र की मंगलवार इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक दो भाई थे छोटे भाई राजा ने बताया कि मजदूरी करते थे चार वर्ष पूर्व विवाह तो हुआ पर पत्नी के न रुकने पर मा रामादेवी के साथ रहते थे। कोतवाली प्रभारी एस एन त्रिपाठी ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्मार्टम हाउस भेजा गया है।

उपभोक्ताओं को बढ़े विद्युत बिल से मिलेगी निजात लगाए गए स्मार्ट मीटर

सफीपुर, उन्नाव। उपकेंद्र के फतेहपुर चौरासी फीडर कस्बे में एक्स इ एन राजनाथ यादव की मौजूदगी में 120 स्मार्ट मीटर लगाए गए। विभाग ने दावा किया अब निर्धारित खर्च बिजली का बिल ऑटो जनरेट हो जाएगा उपभोक्ताओं को बढ़े बिल की समस्या से निजात मिलेगी उन्होंने जल्दी ही लक्ष्य प्राप्त करने का भी दावा किया। विद्युत निगम के उपखण्ड अधिकारी एजाज अहमद ने बताया कि फतेहपुर चौरासी फीडर के फतेहपुर कस्बे में सोमवार व मंगलवार को 120 स्मार्ट मीटर लगाए गए जबकि इस क्षेत्र में 454 मीटर लगाने का लक्ष्य है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। एस डी ओ का दावा है कि स्मार्ट मीटर के कारण बिल कभी गलत नही होगा मीटर रीडर की जरूरत नही होगी चूंकि जितनी बिजली खर्च होगी उसी के अनुसार ऑटो बिल जनरेट हो जाएगा। इस मौके पर अधिशासी अभियंता बांगरमऊ राजनाथ यादव, एस डी ओ एजाज अहमद जे ई दिलीप गुप्ता सहित स्टाफ मौजूद था।

रास्ते को लेकर हुई मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मगरिया निवासिनी संध्या देवी पत्नी गया प्रसाद ने थाने में तहरीर देकर कहा कि आने जाने वाले रास्ते को लेकर विवाद हो गया जिसमें सुनील कुमार पुत्र प्रहलाद मीरा पत्नी सुनील रोशनी पत्नी अनिल खुशी पुत्री सुनील कुमार ने मिलकर हमें लात घुसो से मारा पीटा तथा गंदी-गंदी गालियां दी जिससे मेरे कान व शरीर में छोटे आई और धमकी दिया कि हम तुम्हारे लड़के को झूठे मुकदमे में फंसा देंगे व जान से भी मार देने की धमकी दी दिए गए तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया।

सड़क सुरक्षा को लेकर छात्रों को किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

पुरवा-उन्नावः परिवहन विभाग उ० प्र० द्वारा चलाए जा रहे यातायात जागरूकता अभियान के तहत एआरटीओ प्रवर्तन ने स्थानीय कस्बा के दो स्कूलों में छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन करने हेतु सचेत किया। साथ ही उन्होंने स्कूल संस्थापक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अभियान चलाकर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया जाता है। इसी कड़ी में सहायक सम्भागीय अधिकारी प्रवर्तन संजीव कुमार ने मंगलवार को स्थानीय कस्बा के श्रीमती राम रानी देवी चौरसिया पब्लिक स्कूल व ऋषिकुल विद्यापीठ इंटर कालेज पहुंचकर छात्रों को सड़क सुरक्षा व यातायात से जुड़ी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर परिचर्चा की व नियमों के पालन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने दोपहिया वाहन में अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने व गतिसीमा में वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सुरक्षा संबंधी शपथ भी दिलाई। एआरटीओ संजीव कुमार ने छात्रों से कहा कि सभी छात्र अपने अभिभावकों को सड़क सुरक्षा का संदेश जरूर दें। जीवन अनमोल है। इसकी रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। विद्यालय संचालक रत्नम चौरसिया एडवोकेट ने प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्र भेंटकर एआरटीओ का स्वागत किया। एआरटीओ ने संस्था के संस्थापक व पूर्व संस्कृत प्रवक्ता स्व० प्रेम नारायण चौरसिया जी व स्व० राम रानी देवी चौरसिया जी की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम संयोजक स्वयंवर राजपूत ने सभी का आभार जताया। वहीं ऋषिकुल विद्यापीठ के प्रधानाचार्य अवलेश सिंह ने भी एआरटीओ को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

सफीपुर, उन्नाव। पांच दिन पूर्व परियर -मार्ग पर अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़े बिजली खंभे से टकराने से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए थे जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था जहा इलाज के दौरान मंगलवार एक युवक की मौत हो गई पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्मार्टम हेतु भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के गाव हमजापुर निवासी महेंद्र (25) पुत्र रामशंकर लोध गुरुवार को गांव के ही साथी दुलारे (35) पुत्र राजाराम के साथ बाइक से 15 जनवरी को किसी काम से आया काम निपटाकर देर शाम वापस गांव लौट रहे थे तभी परियर मार्ग कोतवाली क्षेत्र गाव गहोली के समीप सामने आए पशु को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़े विद्युत पोल से टकरा गई थी। हादसे में घायल दोनों युवको को राहगीरो ने सी एच सी सफीपुर में भर्ती कराया था जहा से दोनों की हालत गम्भीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था जहा दुलारे के स्वास्थ्य में सुधार हुआ पर बाइक चालक महेंद्र की मंगलवार इलाज के दौरान मौत हो गई।

कोडीन युक्त सिरप की अवैध बिक्री के मामले में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिंघुपुर बेरियागाड़ा स्थित एक मेडिकल स्टोर से कोडीन युक्त सिरप की अवैध बिक्री के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया है पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, बीते 31 अक्टूबर 2025 को औषधि निरीक्षक अशोक कुमार ने कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिंघुपुर बेरिया गाड़ा स्थित अजय कुमार के मेडिकल स्टोर पर छापा मारा था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि अजय कुमार ने रायबरेली की इंदिका लाइफ साइंस फार्मा तथा अजय फार्मा से करीब 12 हजार कोडीन युक्त सिरप केवल कागजों पर खरीदे थे और इन सिरपों की बिक्री अवैध रूप से की जा रही थी। जब औषधि निरीक्षक ने बिक्री से संबंधित वैध कागजात मांगे तो अजय कुमार कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद औषधि निरीक्षक अशोक कुमार ने यहां की कोतवाली में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तभी से पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। आज खास मुखबिर की सूचना पर कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय ने दलबल के साथ कार्रवाई करते हुए हरदोई उन्नाव रोड स्थित नगर पालिका कार्यालय के निकट से आरोपी अजय कुमार पुत्र भगवानदीन निवासी ग्राम परशुरामपुर थाना फतेहपुर 84 को धर दबोचा। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के बाद विधिक कार्यवाही कर अजय कुमार को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी का मेडिकल स्टोर सील है तथा उसका बैंक खाता भी फ्रीज कर दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है और अवैध दवाओं के नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है।

छेड़ छाड़ का युवती ने किया विरोध दबंगो ने पीटा दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। छेड़छाड़ का विरोध युवती को भारी पड़ गया। आरोपियों ने उसे पीट दिया प्रकरण पुलिस के संज्ञान में आने के बाद भी हीलाहवाली होती रही हिन्दू नेता के हस्तक्षेप बाद हरकत में आई वर्दी ने अभियोग पंजीकृत कर पीड़िता का मेडिकल कराया बाद घटना मोहल्ले में जबरदस्त तनाव है। पुलिस का कहना है कि अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है प्रकरण मौरावां के मोहल्ला लक्ष्मीपुरम की निवासिनी बहुसंख्यक समुदाय की 18 वर्षीय युवती से संबंधित है पीड़िता का कहना है कि दूसरे समुदाय के पांच लड़के उसे अक्सर छेड़ते है कल उन्होंने घेर कर छेड़ा उसने सारा घटनाक्रम मां से बताया तो उन्होंने आरोपियों के घर शिकायत की नतीजा सभी आरोपियों ने उसे घेर कर पहले छेड़खानी शुरू की विरोध किया तो मारने लगे शोर मचाने पर वह भाग गए। पीड़िता ने बाद घटना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की फरियाद की मगर पुलिस टरकाती रही युवती के परिजनों ने रात में हिंदूवादी नेता विमल द्विवेदी को सारा घटना क्रम बताया उन्होंने पुलिस अधीक्षक से बात की तब कहीं जाकर पुलिस हरकत में आयी पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करा कर आरोपियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर लिया। प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर का कहना है कि तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है कार्यवाही की जा रही है।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन पुलिस ने दुष्कर्म के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बीते 10 नवंबर 025 को वादिनी की तहरीर पर थाना अजगैन में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मामले की विवेचना के दौरान 19 जनवरी की शाम मुखबिर की सूचना पर चकलबंशी चौराहे से अपहता को सकुशल बरामद करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली निरीक्षक सुरेश सिंह ने बतायागिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राजू पुत्र राम स्वरूप निवासी उनवा थाना सफीपुर का रहने वाला है। जिसे पॉक्सो एक्ट के तहत कार्यवाई कर न्यायालय भेजा गया है।

उपभोक्ताओं को बढ़े विद्युत बिल से मिलेगी निजात लगाए गए स्मार्ट मीटर

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। उपकेंद्र के फतेहपुर चौरासी फीडर कस्बे में एक्स इ एन राजनाथ यादव की मौजूदगी में 120 स्मार्ट मीटर लगाए गए। विभाग ने दावा किया अब निर्धारित खर्च बिजली का बिल ऑटो जनरेट हो जाएगा उपभोक्ताओं को बढ़े बिल की समस्या से निजात मिलेगी उन्होंने जल्दी ही लक्ष्य प्राप्त करने का भी दावा किया। विद्युत निगम के उपखण्ड अधिकारी एजाज अहमद ने बताया कि फतेहपुर चौरासी फीडर के फतेहपुर कस्बे में सोमवार व मंगलवार को 120 स्मार्ट मीटर लगाए गए जबकि इस क्षेत्र में 454 मीटर लगाने का लक्ष्य है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। एस डी ओ का दावा है कि स्मार्ट मीटर के कारण बिल कभी गलत नही होगा मीटर रीडर की जरूरत नही होगी चूंकि जितनी बिजली खर्च होगी उसी के अनुसार ऑटो बिल जनरेट हो जाएगा। इस मौके पर अधिशासी अभियंता बांगरमऊ राजनाथ यादव, एस डी ओ एजाज अहमद जे ई दिलीप गुप्ता सहित स्टाफ मौजूद था।

निर्विरोध निर्वाचित हुए भाजपा नेता भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र में स्थित भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद का चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ जिसमें मात्र एक नामांकन पर्चा अध्यक्ष पद हेतु दाखिल किया गया जिससे भाजपा नेता को निर्विरोध चुना गया इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक समेत क्षेत्र के काफी संख्या के गणमान्य लोग उपस्थित रहे भूमि विकास बैंक सफीपुर अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मात्र एक नामांकन होने से भाजपा नेता हरिशरण लाला निर्विरोध निर्वाचित हुए जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी क्षेत्रीय विधायक बंबालाल दिवाकर की उपस्थिति में हरिशरण गुप्ता लाला ने दाखिल किया था नाम निर्देशन पत्र। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह नंदू,, भाजपा नेता ज्ञानेंद्र शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुभाष सिंह, नृपेंद्र शुक्ला, विमलेश गौड़, लाले गौड़, दीपक विमल, गंगानारायण फौजी, आशीष कन्नौजिया, सुशील यादव, राजू चौहान, पुष्पेंद्र, अभिनव गौड़, मलखान सिंह, कुलदीप तिवारी, गोलू दीक्षित, आदि समेत भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

उमड़ा भक्ति का सैलाब: सुंदरकांड पाठ से गुंजायमान हुआ मोटेश्वर महादेव मंदिर

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। श्री बागेश्वर धाम सेवा समिति के तत्वावधान में मंगलवार को कस्बा स्थित प्रसिद्ध श्री मोटेश्वर महादेव मंदिर में भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मानस अध्यात्म मंडल के कुशल सानिध्य में संपन्न हुए इस पाठ ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत हनुमान जी के पूजन और मंगल आरती के साथ हुई। मानस अध्यात्म मंडल के गायकों ने जब सुंदरकांड की चौपाइयों का सस्वर पाठ शुरू किया, तो उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। ढोलक और मंजीरों की थाप पर 'जय श्री राम' और 'बागेश्वर धाम की जय' के नारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। समिति के प्रमुख पदाधिकारियों की रही मौजूदगी कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री बागेश्वर धाम सेवा समिति के अध्यक्ष अजय ठाकुर, उपाध्यक्ष अंकित गुप्ता और कोषाध्यक्ष राजू स्वर्णकार की मुख्य भूमिका रही। इस अवसर पर महामंत्री वैभव द्विवेदी 'कृष्णा', सह सचिव देवराज, और कार्यकारिणी सदस्य आनन्द सिंह व अमन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे। पाठ के समापन के बाद महाआरती हुई और भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। समिति के सदस्यों ने बताया कि समाज में आध्यात्मिक चेतना जगाने के उद्देश्य से ऐसे धार्मिक आयोजनों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

आनलाइन पोर्टल से की जाएगी जमीन की नीलामी

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कसरौर की शत्रु सम्पत्ति की नीलामी दिनांक 28/01/26 को होना तय हुआ हैयह जानकारी पुरवा एसडीएम ने दी है और यह भी जानकारी दी यह जमीन नीलामी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी। ग्राम कसरौर की कुल 24 गाटा स० की निलामी की जानी है तथा निलामी हेतु उपजिलाधिकारी पुरवा प्रमेश श्रीवास्तव व तहसीलदार पुरवा मनीष द्विवेदी के द्वारा निलामी हेतु व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है तथा नीलामी की शर्तों आदि के किये शत्रु संपत्ति के पर्यवेक्षक विद्या सागर सिंह कुशवाहा मो० न० 7380851806 से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण डाइट प्रेक्षागृह में हुआ संपन्न

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में समग्र शिक्षा पी.एम. श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय में स्थापित कराए गए स्मार्ट क्लास और आई.सी. टी लैब के प्रयोग हेतु शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण डाइट प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ जिसमें ए.आई. आधारित एप्पस का प्रयोग, शिक्षा योजना का निर्माण एवं डिजिटल बोर्ड का प्रयोग आदि की जानकारी दी गयी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक अमित तिवारी, कुलदीप शर्मा, राघवेन्द्र सिंह आदि ने बताया कि कार्यशाला में ₹ओर₹ लेबल, जेमनी ए.आई., गूगल फार्म आदि की जानकारी बहुत ही सरल तरीके से बताई गयीजो बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अध्ययन कर रहे बच्चों की शिक्षा में बहुत उपयोगी साबित होगी प्रशिक्षण कताओं में डाइट प्रवक्ता बृजेश यादव, शिखा मिश्रा, प्रदीप पाल, देवेश अग्रवाल, रवि किरण आदि ने सभी शिक्षको को प्रमाण पत्र वितरित किए

सहकारी समिति के अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ संपन्न

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। ब्लॉक कार्यालय परिसर में मंगलवार को 3 बजे भूमि विकास बैंक (सहकारी समिति) के अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संतोष सिंह निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत अमित उपाध्याय ने पीठासीन अधिकारी तहसीलदार गणेश सिंह के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। चूंकि किसी अन्य प्रत्याशी ने पर्चा दाखिल नहीं किया, इसलिए चुनाव नियमों के अनुसार उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। भाजपा ने तहसील क्षेत्र में चल रहे भूमि विकास बैंक सहकारी समिति के चुनावों में संतोष सिंह पुत्र शिव नारायण सिंह निवासी बारा को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया था। उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा होते ही भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष सिंह का फूल-मालाओं से स्वागत किया और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। संतोष सिंह ने निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर पार्टी नेतृत्व, कार्यकताओं और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे भूमि विकास बैंक सहकारी समिति के माध्यम से किसानों और सदस्यों के हितों के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। इस मौके पर अमितेश सिंह नंदू, योगेश बाजपेई जी, आशीष अटल बाजपेई, मुन्ना सिंह बैजनाथ सिंह, केडी त्रिपाठी मण्डल अध्यक्ष आशीष बाबा, रमेश चंद्र तिवारी, राजेश तिवारी, एवं सभी वरिष्ठ, कनिष्ठ कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस सप्ताह के तहत काव्य पाठ प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर रूरी में कानपुर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित श्री विशम्भर दयाल त्रिपाठी राजकीय महाविद्यालय में आज ह्यगणतन्त्र दिवस सप्ताहह्न के तहत काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने देश भक्ति से ओतप्रोत कविताएं प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को भाव ह्न विभोर कर दिया। प्रतियोगिता में बी.एस.सी. एग्रीकल्चर द्वितीय वर्ष के छात्र हर्ष श्रीवास्तव ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न शीर्षक पर रचना प्रस्तुत की ₹मिटाने चले थे वो, भारत की बेटियों का सिंदूर, सोचा न था होगा अपना ही हर घर चकनाचूर₹। वहीं बी.सी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा प्रिया गौड़ द्वारा कविता ₹सपनों को हकीकत कर, मेहनत की मशाल जलाओ, हर रुकावट से लड़कर, अपनी मंजिल पाओ₹ प्रस्तुत करते ही श्रोताओं ने तालियां बजाकर छात्रा का उत्साहवर्धन किया। इसी प्रकार बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष बायो ग्रुप की छात्रा सोनम वर्मा ने माँ को समर्पित कविता ₹माँ प्रार्थनाओं की मंगल ध्वनि है, जो हर समय, हर परिस्थिति में प्रतिध्वनित रहती है₹ तथा बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष बायो ग्रुप की छात्रा दिव्यांशी शुक्ला ने देश भक्ति से सम्बन्धित कविता ₹माटी की खुशबू में बसता है मेरा अभिमान, हर कण में गूंजता है भारत का स्वाभिमान₹ की भी जमकर सराहना मिली। इसके अलावा प्रतियोगिता में गीतेश, दिव्यांशी प्रजापति, चांदनी देवी, अमन पाल आदि छात्र छात्राओं ने भी काव्यपाठ कर जमकर तालियां बटोरी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्य डॉ नलिन कुमार तथा संचालन प्राध्यापक अनिल कुमार ने किया। अंत में निर्णायक मंडल के डॉ. नवनीत कौर, डॉ. मनीषा बाजपेई व डॉ. अरविन्द कुमार ने छात्रा सोनम वर्मा को प्रथम, छात्र गीतेश एवं छात्रा प्रिया गौड़ को सयुक्त रूप से द्वितीय तथा छात्र हर्ष श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर विजयी घोषित किया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. नवनीत कौर ने बताया कि प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं को आगामी 26 जनवरी गणतन्त्र दिवस पर पुरस्कृत किया जायेगा।

सरकारी चारागाह की भूमि पर जबरन कब्जा कर अवैध निर्माण कार्य जारी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के ग्राम अवैक के प्रधान प्रतिनिधि द्वारा सरकारी चरागाह की भूमि पर जबरन कब्जा कर पक्का निर्माण किया जा रहा है। हल्का लेखपाल द्वारा निर्माण पर रोक लगा देने के बावजूद अवैध निर्माण जारी है। ग्राम अवैक निवासी प्रियांशु पटेल द्वारा उपजिलाधिकारी बृजमोहन शुक्ला को सौंपे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि गांव के प्रधान प्रतिनिधि द्वारा राजस्व अभिलेखों में दर्ज सरकारी चरागाह की जमीन पर बीते कई दिनों से कब्जा कर भवन निर्माण किया जा रहा है। शिकायत पर हल्का लेखपाल मौके पर पहुंचे थे और निर्माण कार्य पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद आज मंगलवार को प्रधान प्रतिनिधि द्वारा निर्माण कार्य जारी है। शिकायत कर्ता का यह भी आरोप है कि गांव की बाजार और पंचायत घर पर प्रधान प्रतिनिधि का अरसे से निजी कब्जा बना हुआ है। शिकायत कर्ता ने एसडीएम से सरकारी जमीन पर जारी अवैध निर्माण पर रोक लगाने और प्रधान प्रतिनिधि के कब्जे से बाजार और पंचायत घर मुक्त कराने की मांग उठाई है। एसडीएम ने कानूनगो और हल्का लेखपाल को मामले की जांच कर जल्द रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

न्यायिक एसडीएम से नाराज अधिवक्ताओं ने किया कार्य का बहिष्कार

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। एसडीएम न्यायिक की कार्यशैली से नाराज अधिवक्ताओं ने संबंधित न्यायालय में कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है। स्थानीय अधिवक्ता सभागार में बार व लायर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बैठक कर एसडीएम न्यायिक पुरवा व तहसीलदार पुरवा की न्यायालय का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। अधिवक्ताओं ने एक स्वर से उक्त अधिकारियों की विधिक व न्यायिक कार्यशैली से असंतोष जताया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्यामलाल सोनी एडवोकेट, महामंत्री सुमेर सिंह एडवोकेट, रेवा शंकर रावत, गंगा महेश यादव, रईस हैदर नकवी, मोहसिन खान, सुनील शर्मा, आनंद कंद, लायर्स के अध्यक्ष विद्याशंकर पाण्डेय एडवोकेट, विनोद कुमार एडवोकेट, सुरेन्द्र श्रीवास्तव एडवोकेट, मीडिया प्रभारी रत्नम चौरसिया एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को मारी टक्कर एक की मौत दो घायल

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत बिहार मौरावा मार्ग पर बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि पीछे बैठे 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें शौ बेड शैय्या बीघापुर रिफर कर दिया गया है। थाना क्षेत्र के बिहार मौरावा मार्ग पर गौरा गाँव के पास बने अंडरपास के निकट अज्ञात वाहन ने गौरा से घर जा रहे बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक चला रहे संदीप पुत्र रामलाल 30 वर्ष निवासी हिंदुनगर के सर में गंभीर चोट आने से मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि बाइक में पीछे बैठे उमेश पुत्र रामगुलाम 27 वर्ष निवासी व सुमित पिता अज्ञात निवासी भदेशा, कांशीराम कालोनी उन्नाव 30 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायलों को सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहा से डॉक्टरो ने शौ बेड शैय्या बीघापुर रिफर कर दिया। जबकि दिवंगत के शव को पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्तपताल भेज दिया गया। बाइक सवार हेलमेट नही लगाये था। दिवंगत की शादी 3 वर्ष पूर्व हुई थी लेकिन अनबन की वजह से सम्बन्ध विच्छेद हो चुका है। दिवंगत पाँच भाइयों में सबसे बड़ा था। मनीष, प्रदीप, कुलदीप व बाबू उसके छोटे भाई है। माँ शेराइन अपने बेटे की मौत की खबर सुन बेहाल हो जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवती का शव

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के छीत्तेपुर गांव में मंगलवार सुबह एक युवती का शव उसके घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिला। युवती की पहचान मुन्ना रावत की 19 वर्षीय पुत्री लक्ष्मी के रूप में हुई है। परिजनों ने शव लटका देख पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक लक्ष्मी के पिता मुन्ना रावत ने पुलिस को बताया कि लक्ष्मी पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रही थी, लेकिन वह अपनी परेशानी का कारण किसी को नहीं बताती थी। मंगलवार सुबह नाश्ता करने के बाद वह अपने कमरे में चली गई थी, जिसके बाद उसका शव फंदे से लटका मिला। पिता ने इसे आत्महत्या का मामला बताया है। लक्ष्मी के निधन से उसके परिवार में शोक का माहौल है। परिवार में उसकी बहन शांति और भाई राजकुमार, मनोज, रंजीत, संगीत तथा मां मोहिनी शामिल हैं।

प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार ने बताया कि युवती का शव घर में फंदे से लटका मिला है। मृतक के पिता ने आत्महत्या की तहरीर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा

सम्पादकीय

लोक कल्याण की राजनीति और कुशल प्रबंधन की जीत

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों के नतीजे केवल स्थानीय सत्ता संतुलन का संकेत नहीं हैं, बल्कि वे राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी स्पष्ट करते हैं। खासतौर पर मुंबई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत ने यह संदेश दिया है कि लोक कल्याणकारी नीतियों के साथ-साथ सशक्त आंतरिक प्रबंधन और संगठनात्मक अनुशासन आज की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यह जीत भाजपा के लिए केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि उसकी रणनीति, नेतृत्व और जनविश्वास की पुष्टि है। लोगों ने पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व पर मुहर लगा दी है। महाराष्ट्र में कुल 29 नगर निगमों के चुनावों में से 23 कॉरपोरेशनों में भाजपा-महायुति को स्पष्ट बहुमत मिला है। वहीं, मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में भाजपा+शिवसेना (शिंदे) अलायंस कुल 227 सीटों में से 118 सीटें मिलती दिख रही हैं। बिहार के बाद महाराष्ट्र की जनता ने भी स्पष्ट संदेश दिया है कि एनडीए और भाजपा का नेतृत्व ही देश को सही दिशा दे रहा है। इस जीत ने दिखा दिया कि भाजपा की नीतियों, कार्यशैली और निर्णायक नेतृत्व पर देश की जनता का अटूट विश्वास है। लोगों को जनकल्याण और विकास ही चाहिए। अब वे परिवारवाद और खाली बयानबाजी करने वालों के झांसे में नहीं आने वाले। इस जीत ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के कद को भी बढ़ा दिया है। यह परिणाम कांग्रेस, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और शरद पवार के लिए एक ओर खतरे की घंटी है, वहीं पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के नतीजों ने पवार पावर को लेकर स्पष्ट राजनीतिक संदेश दिया है। जिस पवार ब्रांड को कभी सत्ता के इन शहरी केंद्रों में अजेय माना जाता था, वह अब अकेले जीत की गारंटी नहीं रह गया है। इस बार यहां शरद पवार और अजीत पवार की अगुआई वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के रणनीतिक तालमेल के बावजूद वोटरों ने तगड़ा झटका दे दिया है। दूसरी तरफ, करीब 20 साल बाद करीब आए राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की जोड़ी भी कुछ खास दम नहीं दिखा पाई। चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया कि ठाकरे बंधुओं की जोड़ी जनता को भरोसे में नहीं ले सकी, यानी यह प्रयोग राजनीतिक तौर पर असफल रहा। भाजपा और उसके सहयोगियों का आगे रहना इस बात का प्रमाण है कि पार्टी ने शहरी मतदाताओं की नब्ज को अच्छी तरह समझा। मुंबई, नागपुर और पुणे जैसे बड़े महानगरों में भारी बढ़त ने यह दिखा दिया कि भाजपा की पकड़ केवल ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि महानगरीय मतदाता भी उसकी नीतियों से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। इन शहरों में बुनियादी सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं और प्रशासनिक सुधारों ने मतदाताओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला। बता दें कि महाराष्ट्र नगर निगम में 1997 से 2022 तक शिवसेना का वर्चस्व रहा और उसके 12 मेयर रहे। अब चार साल बाद चुनाव हो रहे हैं और भाजपा पहली बार मुंबई में अपना मेयर बनाने जा रही है। एशिया की सबसे बड़ी मुंबई नगरपालिका का 74000 करोड़ का बजट देश के कई राज्यों के बजट से भी ज्यादा है। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आज की राजनीति में लोक कल्याण, सुशासन और कुशल संगठनात्मक प्रबंधन सबसे बड़े हथियार हैं। भाजपा की जीत केवल विरोधियों की कमजोरी का परिणाम नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक मजबूती और जनविश्वास की देन है।

विनाशक युद्ध की आहट और दुनिया

ईरान बनाम अमेरिका
डॉ. घनश्याम बादल

ईरान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक अशांति नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति का वह विस्फोटक मोड़ है, जहां से छद्म लोकतंत्र और मजहबी कट्टरता के टकराव से उठी एक चिंगारी पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। आज उनके अयातुल्लाह काम नहीं, शासन के ख़िलाफ़ तेहरान समेत ईरान के कई शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ता विद्रोही जन सैलाब, उबलता जनाक्रोश, सरकार की दमनकारी नीतियां और इसके समानांतर हर हाल में दुनिया का दरोगा बनने की हठधर्मी पर अड़े अमेरिका की सैन्य चेतावनियां, उस त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं, जिसके केंद्र में विनाशकारी युद्ध की आशंका लगातार गहराती जा रही है।

ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन अब केवल आर्थिक शिकायतों तक सीमित नहीं हैं। महंगाई, बेरोज़गारी और गिरती जीवन-स्तर की पीड़ा ने जिस असंतोष को जन्म दिया है, ईरान में जिस गति से महंगाई बढ़ी है, उससे वहां के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। ईरानी मुद्रा रियाल डॉलर के मुकाबले रसातल में जा चुकी है। अब तो विद्रोहियों के समर्थन में उमड़ता हुआ जन सैलाब सीधे-सीधे शासन व्यवस्था की वैधता पर सवाल बन चुका है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद यह पहली बार है, जब ईरान का धर्मतंत्र जनता के इतने बड़े हिस्से से वैचारिक रूप से कटता हुआ दिखाई देता है। महिलाओं, युवाओं, छात्रों और शहरी मध्यम वर्ग की भागीदारी ने इन प्रदर्शनों को साधारण विरोध से कहीं आगे पहुंचा दिया है और एक तरह से सीरिया जैसे हालातों की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। जहां सरकार विरोधी विद्रोही हिंसा एवं आगजनी पर उतरे हुए हैं तथा सरकार के तख्त पलट के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। वहीं सरकार की प्रतिक्रिया भी उतनी ही कठोर से कठोरता होती जा रही है। इंटरनेट ब्लैकआउट, सामूहिक गिरफ्तारियां, सुरक्षा बलों की गोलीबारी और मृत्युदंड ये सब संकेत देते हैं कि ईरान में खामनेई सत्ता पर किसी भी कीमत पर नियंत्रण छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

हालांकि ईरानी नेतृत्व इसे विदेशी साजिश करार देता है, लेकिन यह तर्क अब घरेलू स्तर पर भी असर खोता जा रहा है। सवाल यह नहीं कि विरोध क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि क्या मौजूदा व्यवस्था उन्हें लंबे समय तक दबा पाएगी? आंतरिक उथल-पुथल के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर ख़तरनाक ऊंचाई पर पहुंच गया है। अमेरिका मानवाधिकार उल्लंघनों और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आधार बनाकर लगातार दबाव बना रहा है। प्रतिबंधों का नया दौर, सैन्य चेतावनियां और मध्य-पूर्व में अमेरिकी नौसैनिक तैनाती इस बात का संकेत हैं कि वाशिंगटन 'देखो और इंतजार करो' की नीति से आगे बढ़ने का विकल्प खुला रखे हुए है। हालांकि, यह समझना ज़रूरी है कि अमेरिका भी पूर्ण युद्ध नहीं चाहता। इसकी वज़ह वाशिंगटन की उदारता या शांतिप्रियता नहीं, अपितु यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-गाज़ा संघर्ष और घरेलू राजनीतिक दबावों के बीच एक और

बड़े युद्ध का बोझ उठाना वाशिंगटन के लिए आसान नहीं होगा। यही कारण है कि अमेरिका की रणनीति फिलहाल सीमित सैन्य कार्रवाई, आर्थिक दबाव और कूटनीतिक धमकियों तक सिमटी दिखती है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध अक्सर योजनाओं से नहीं, दुर्घटनाओं से शुरू होते हैं। यह तो तय है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच सीधा युद्ध होता है, तो उसके प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेंगे। ईरान के लिए इसका अर्थ होगा-तेल रिफाइनरियों, सैन्य ठिकानों और परमाणु संयंत्रों पर हमले, अर्थव्यवस्था का लगभग ठप हो जाना और संभवतः गृहयुद्ध जैसी स्थिति। बेशक सबसे भारी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ेगी, जिनके लिए शांति पहले ही दुर्लभ हो चुकी है। अमेरिका के लिए यह युद्ध सैन्य रूप से भले ही नियंत्रित रहे, लेकिन राजनीतिक और रणनीतिक रूप से महंगा साबित होगा।

मध्य-पूर्व में फैले अमेरिकी सैन्य अड्डे प्रतिशोध के निशाने पर होंगे। घरेलू स्तर पर युद्ध-विरोधी माहौल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की 'नैतिक नेतृत्व' वाली छवि को और भी ज़्यादा झटका लगेगा। इससे भी अहम बात यह है कि अमेरिका का ध्यान एशिया-प्रशांत क्षेत्र से हटेगा, जो उसके दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के विपरीत है। वैश्विक स्तर पर इसका सबसे तात्कालिक असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ेगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में ज़रा-सी अस्थिरता भी तेल की कीमतों को 120–150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा सकती है। इसका सीधा अर्थ है -वैश्विक महंगाई, आर्थिक मंदी और विकासशील देशों पर असहनीय दबाव। यूरोप, जो पहले ही ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, सबसे अधिक प्रभावित होगा। इस परिदृश्य में चीन और रूस की भूमिका भी समझना ज़रूरी है। दोनों ही देश ईरान के संकट को अपने-अपने रणनीतिक लाभ के रूप में देख रहे हैं। चीन अमेरिका को मध्य-पूर्व में उलझा देखना चाहता है ताकि एशिया में उसकी पकड़ ढीली पड़े। रूस के लिए यह पश्चिमी एकता को कमजोर करने और ऊर्जा कीमतों से लाभ उठाने का अवसर है, लेकिन चीन या रूस कोई भी ईरान के लिए अमेरिका से सीधा युद्ध लड़ने को तैयार नहीं है।

ईरान उनके लिए साझेदार कम, रणनीतिक साधन अधिक है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का सबब है। तेल आयात पर निर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था पर महंगाई का सीधा असर पड़ेगा। रुपये पर दबाव बढ़ेगा, शेयर बाजारों में अस्थिरता आएगी और खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा एक गंभीर प्रश्न बन जाएगी। साथ ही, ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान संपर्क जैसी रणनीतिक परियोजनाएं भी प्रभावित होंगी। हालांकि, संकट के बीच अवसर भी छिपे होते हैं। भारत की संतुलित और स्वायत्त विदेश नीति उसे एक संभावित मध्यस्थ की भूमिका में ला सकती है, लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि भारत किसी भी खेमे में खड़ा होने की जल्दबाजी न करे।

अस्तु,, ईरान का संकट केवल एक देश की संप्रभुता एवं संकट की कहानी नहीं, उस वैश्विक व्यवस्था का आईना है, जहां दमन, असमानता और शक्ति-राजनीति मिलकर अस्थिरता को जन्म देती हैं। युद्ध शायद अभी टल सकता है, लेकिन उसके बीज बोए जा चुके हैं। सवाल यह नहीं कि दुनिया इस आग को देख रही है या नहीं, सवाल यह है कि क्या वह इसे फैलने से रोकने के लिए समय रहते कुछ करेगी।

ईरान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक अशांति नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति का वह विस्फोटक मोड़ है, जहां से छद्म लोकतंत्र और मजहबी कट्टरता के टकराव से उठी एक चिंगारी पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। आज उनके अयातुल्लाह काम नहीं, शासन के ख़िलाफ़ तेहरान समेत ईरान के कई शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ता विद्रोही जन सैलाब, उबलता जनाक्रोश, सरकार की दमनकारी नीतियां और इसके समानांतर हर हाल में दुनिया का दरोगा बनने की हठधर्मी पर अड़े अमेरिका की सैन्य चेतावनियां, उस त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं, जिसके केंद्र में विनाशकारी युद्ध की आशंका लगातार गहराती जा रही है।

विश्व पुस्तक मेला

श्वेता गोयल

रील्स के दौर में रीयल किताबें ही हैं शब्दों का सच्चा संसार

नई दिल्ली के हृदय स्थल भारत मंडपम में इन दिनों हवाओं में एक अलग ही सुगंध घुली हुई है। यह सुगंध किसी इत्र की नहीं, बल्कि पुरानी और नई किताबों के पन्नों, स्याही के अक्षरों और मानवीय मेधा के असीमित विस्तार की है। 10 से 18 जनवरी तक चलने वाला 53वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला केवल एक व्यावसायिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय मेधा और वैश्विक संस्कृति के मिलन का एक विराट अनुष्ठान है। पुस्तकें वह सेतु हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं और सभ्यताओं की स्मृतियों को जीवंत रखती हैं। डिजिटल क्रांति के इस प्रचंड वेग के बीच, जहां स्क्रीन की कृत्रिम रोशनी हमारी आंखों को थकान दे रही है, वहां कागज के पन्नों पर अंकित शब्द एक शीतल छांव की तरह प्रतीत होते हैं। इस वर्ष के मेले की आत्मा 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' की थीम में रची-बसी है। यह विषय केवल युद्धों का लेखा-जोखा नहीं है बल्कि उस साहस और बुद्धिमत्ता का वंदन है, जिसने स्वतंत्र भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखा है। हॉल नंबर 5 में निर्मित थीम पवेलियन एक ऐसा गलियारा है, जो आगंतुकों को काल-यात्रा पर ले जाता है। यहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियों के बीच जब पाठक 21 परमवीर चक्र विजेताओं की गाथाओं से रूबरू होते हैं तो साहित्य और राष्ट्रभक्ति का एक अनूठा संगम निर्मित होता है। सैन्य इतिहास पर प्रदर्शित पांच सौ से अधिक पुस्तकें यह सिद्ध करती हैं कि तलवार की धार और कलम की शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। शौर्य जब शब्दों में ढलता है तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बन जाता है। मेले का यह संस्करण कई मायनों में ऐतिहासिक है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) और आईटीपीओ के सहयोग से आयोजित इस मेले में पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। यह निर्णय इस बात का परिचायक है कि ज्ञान पर किसी का एकाधिकार नहीं होना चाहिए और जिज्ञासा की राह में अर्थ की बाधा नहीं आनी चाहिए। 'किताबों की दुनिया में कदम रखने के लिए अब जेब नहीं, बस जिज्ञासा चाहिए' का यह मंत्र भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशकों की उपस्थिति इस मेले को एक वैश्विक मंच प्रदान करती है, जहां कतर 'गेस्ट ऑफ ऑनर' और स्पेन 'फोकस कंट्री' के रूप में अपनी सांस्कृतिक विरासत साझा कर रहे हैं। आज के दौर में एक विमर्श अक्सर सुनाई देता है कि 'जेन-जी' यानी नई पीढ़ी किताबों से दूर होकर स्मार्टफोन्स की दुनिया में खो गई है, किंतु भारत मंडपम के गलियारों में उमड़ती युवाओं की भीड़ इस धारणा को सिरे से खारिज करती है।

तकनीक के शोर में पले-बढ़े ये युवा पिक्सल्स के बजाय पन्नों में अपना भविष्य तलाशते दिख रहे हैं। कतर पवेलियन में हवा में तैरते अक्षरों की जादुई दुनिया को निहारते हुए या रस्साकसी और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों की पुस्तकों में अपनी जड़ों को खोजते हुए ये युवा यह प्रमाणित कर रहे हैं कि डिजिटल चमक क्षणिक हो सकती है लेकिन शब्दों की गहराई शाश्वत है। युवाओं का यात्रा वृत्तांतों, क्लासिक साहित्य और अपराध गाथाओं के प्रति यह आकर्षण दर्शाता है कि मानवीय संवेदनाएं आज भी एक अच्छी कहानी की तलाश में रहती हैं। शिक्षा मंत्री ने डिजिटल समय में ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाने की जिस प्राथमिकता का उल्लेख किया, वह 'राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय' के रूप में साकार होती दिख रही है। 23 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध छह हजार से अधिक मुफ्त ई-पुस्तकें यह सुनिश्चित करती हैं कि भाषा अब ज्ञान के मार्ग में अवरोध नहीं बल्कि एक सेतु बने। टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाओं के साथ यह समावेशी प्रयास उन लोगों तक भी साहित्य पहुंचा रहा है, जो शारीरिक सीमाओं के कारण अब तक इससे वंचित थे। यह तकनीकी प्रगति और पठन संस्कृति का वह संतुलन है, जिसकी आज के युग को सर्वाधिक आवश्यकता है। मेले का एक और भावुक पक्ष 'अनसुने नायकों' को दी गई श्रद्धांजलि है। 'द सागा ऑफ कुडोपली: द अनसंग स्टोरी ऑफ 1857' जैसी पुस्तकों का विमोचन यह संदेश देता है

समय के साथ 'धर्म और अध्यात्म' के अर्थ बदलते जा रहे हैं

संकलित
दर्शन

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है-फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यंत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

भरे गिलास से, मंदिर की परिक्रमा

संकलित
प्रेरणा

एक महिला रोज मंदिर जाती थी एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा अब मैं मंदिर नही आया करूँगी इस पर पुजारी ने पूछा क्यो? तब महिला बोली: मैं देखती हूं लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं कुछ ने तो मंदिर को ही गपसप करने का स्थान चुन रखा है, कुछ पूजा कम पाखंड ज्यादा करते हैं। इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे फिर कहा: सही है! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले आप मेरे कहने से कुछ कर सकती है। महिला बोली: आप बताइए क्या करना है। पुजारी ने कहा: एक गिलास पानी से भरकर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नही चाहिए। महिला बोली: में ऐसा कर सकती हूँ फिर थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया। उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछे:

1) क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा? 2) क्या आपने किसी को मंदिर मे गपसप करते देखा? 3) क्या किसी को पाखंड करते देखा?

महिला बोली: नही मैंने कुछ भी नही देखा। फिर पुजारी बोले: जब आप परिक्रमा लगा रही थी तो आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इस में से पानी न गिर जाए इसलिए आपको कुछ दिखाई नही दिया। अब जब भी आप मंदिर आए तो सिर्फ अपना ध्यान परम पिता परमात्मा में ही लगाना फिर आपको कुछ दिखाई ही नही देगा। सिर्फ भगवान ही सर्ववृत दिखाई देगा, जब ऐसा होगा तो स्वयं ही कल्पना कर लीजिएगा।

अंतर्मन

आज की पाती

स्वतंत्रता का अनुचित प्रयोग

कुछ कथित उच्च शिक्षित, जाहिल, गंवार लोग जब सार्वजनिक रूप से (विशेषकर सोशल मीडिया पर) सड़कछाप व्यवहार करने लगते हैं तो ऐसे मूर्ख लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उसी क्षण खत्म हो जाती है। कला और विचार प्रकट करने की आजादी के नाम पर किसी को भी देश, समाज में अश्लीलता फैलाने के उपद्रव को दुनिया का कोई भी सभ्य-सुसंस्कृत संविधान कभी कोई स्वतन्त्रता प्रदान नहीं करता। ऐसे सर्वथा अवांछित, अप्रिय, समाज विरोधी कार्य करने वालों का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन करने वाले सभी आधुनिक मनोरोगी भी उतने ही बड़े अपराधी माने जाने चाहिए। सिर्फ मजाक के नाम पर ही नहीं, कई बार गंभीर मुद्रा में प्रदर्शन करते हुए भी कुछ पॉडकास्ट पर दुर्जन लोग गंदी, अश्लील, अभद्र, अशोभनीय बातें करते हैं। आजादी का अनुचित लाभ नहीं उठाना चाहिए। - रमेश यदु, रायगढ़

ट्रेंड

गठबंधन की प्रचंड जीत

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की प्रचंड जीत यह बताती है कि जनता का विश्वास सिर्फ एनडीए की विकास नीति पर है। यह ऐतिहासिक सफलता, महायुति सरकार द्वारा प्रदेश मे किए गए विकास और जनकल्याण के कार्यों पर जनता की मुहर है।
- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

स्टार्टअप इंडिया का दशक

स्टार्टअप इंडिया ने एक दशक पूरा कर लिया है और यह भारत के विकास गाथा मे एक महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित इस पहल ने डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को सशक्त बनाया है, 21 लाख रोजगार सृजित किए है।
- नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

विकास की राजनीति

महाराष्ट्र की सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की जनता ने स्थिर नेतृत्व, सुशासन और विकास की राजनीति पर अपना भरोसा जताया है।
-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

ज़ुल्म और अत्याचार

भाजपा अपने संगी-साथियों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में काशी की दाल मंडी में हर घर-दुकानदार को दल रही है। ये ज़ुल्म और अत्याचार जनता अब और नही सहेगी। सत्ता भी भाजपाइयों को सिर्फ पैसे कमाने के लिए ही चाहिए।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

ताकतवर देशों को सुधार के लिए आगे रहना चाहिए : संरा

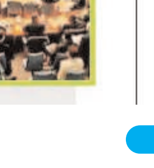

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि दुनिया के सबसे ताकतवर देशों को सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए सबसे आगे रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करेंगे, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। संरा महासचिव गुतारेस ने बृहस्पतिवार को 193 सदस्यीय महासभा में 2026 के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर अपने भाषण में कहा, ''ऐसी संस्थाओं मे सुधार होना चाहिए जो आज की दुनिया को दर्शाती हों। 1945 के समस्या समाधान के तरीकों से 2026 की समस्याओं का हल नहीं निकलेगा।

ऑफ बीट

आसमानी बिजली के अलग-अलग रूप

सदियों से आसमानी बिजली लोगों का ध्यान खींचती रही है। यह (आसमानी बिजली) मिथक, धर्म और लोकप्रिय संस्कृति में बसी हुई है। बिजली तब उत्पन्न होती है जब बादलों में विद्युत आवेश का निर्माण होता है। यह कुछ हद तक वैसा ही है जैसे जब आप अपने बालों को कंघी करते हैं या ट्रैम्पोलिन पर कूदते हैं तो बाल खड़े हो जाते हैं, लेकिन बादलों में विद्युत आवेश के निर्माण की प्रक्रिया बहुत अधिक तीव्र होती है। बादलों में यह आवेश तब बनता है जब ठोस और तरल जलकण आपस में टकराते हैं, जो गर्म हवा ऊपर उठने और ठंडी हवा नीचे गिरने (संवहन) के कारण होता है।

संक्षेप

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कोहरे से हादसा

डीसीएम अज्ञात वाहन से टकराई, यमुनानगर से सीतामढ़ी जा रही थी

अमेठी , पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर देर रात कोहरे के कारण एक डीसीएम वाहन अज्ञात गाड़ी से टकरा गया। यह हादसा बाजार शुकुल थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 58 पर हुआ। डीसीएम गोभी लादकर यमुनानगर से सीतामढ़ी, बिहार जा रही थी। डीसीएम (नंबर HR45D0329) में गोभी लदी थी। इसे यमुनानगर निवासी हेमत सूत नरेंद्र कुमार चला रहे थे, जबकि सिवा पुत्र धनपाल सह-चालक के रूप में मौजूद थे। टक्कर के कारण डीसीएम क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन चालक और सह-चालक दोनों को कोई चोट नहीं आई। सूचना मिलते ही पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के सहायक सुरक्षा अधिकारी बृजपाल कनौजिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सेफ्टीकॉन गाड़ी भी घटनास्थल पर पहुंची। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की कार्यदाई संस्था गायत्री कंस्ट्रक्शन की हाइड्रा ने क्षतिग्रस्त डीसीएम को खींचकर रेस्ट एरिया में खड़ा करवा दिया। सुरक्षा उपायों के तहत सेफ्टीकॉन लगाए गए हैं और यातायात सुचारु रूप से जारी है।

सूखे तालाब में युवक का शव मिला

सुबह खेत के लिए निकले ग्रामीणों ने देखा; अस्पताल में तोड़ा दम

अमेठी , एक युवक का शव सूखे तालाब में मिला। शनिवार सुबह शौच के लिए गए ग्रामीणों ने शव को तालाब में पड़ा देखा। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और आशीष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अमेठी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है, मामले की जांच शुरू कर दी गई है मृतका की पहचान आशीष मिश्र पिता कामता प्रसाद मिश्र निवासी संग्रामपुर थाना क्षेत्र मड़ौली गांव के रूप में हुई है। करीब दो हफ्ते बाद जीजा के घर से लौटा था परिजनों ने बताया कि आशीष मिश्र पिछले 10-12 दिनों से लखनऊ में अपनी बहनों और जीजा के पास थे। शुक्रवार को वह घर लौटने के लिए निकले थे। उन्होंने अमेठी रेलवे स्टेशन के स्टैंड पर अपनी गाड़ी खड़ी की थी और वहां से गांव के लिए रवाना हुए थे। हालांकि, वह देर रात तक घर नहीं पहुंचे। जब परिजनों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की तो उनका मोबाइल फोन बंद मिला, जिससे उनकी चिंता बढ़ गई। शनिवार सुबह खौसीक पुरवा स्थित हनुमान मंदिर के पास तालाब किनारे शौच के लिए गए ग्रामीणों ने एक शव देखा। ग्रामीणों की सूचना पर आशीष के परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान आशीष मिश्र के रूप में की। इसके बाद उन्हें तत्काल सीएचसी अमेठी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आशीष अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। उनके बड़े भाई कुलदीप मिश्र और छोटे भाई बृजेश मिश्र दोनों सेना में कार्यरत हैं। परिवार में उनकी दो बहनें सरिता और रीता भी हैं। आशीष की असामयिक मौत से परिवार में गहरा शोक है। संग्रामपुर पुलिस ने सीएचसी अमेठी में पंचायतनामा की प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

एसडीएम के पैरों में गिर गई महिलाएं, साहब! जा रही है जमीन, कैसे जिएंगे बच्चे।

सभी को मिलेगी जमीन, बाद में होगा वन क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्य: सीडीओ बहराइच

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर,बहराइच। जिले के शिवपुर ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत जनपद मुख्यालय के दूरस्थ व बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पाठकपुरवा गांव के ग्रामीणों द्वारा वन विभाग पर लगाए गए आरोपों की जांच करने आज मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी बहराइच मुकेश चंद्र, नानपारा एसडीएम मोनालिसा जौहरी, खंड विकास अधिकारी शिवपुर अनुष्का श्रीवास्तव पाठक पुरवा गांव के पंचायत भवन में पहुंची, जहां पूर्व से ही राजस्व महकमा व वन विभाग की टीमें मौजूद थी। ग्रामीणों का आरोप है कि एक तो गांव के किनारे जंगल लगाया जा रहा है तो वहीं गांव के किसानों की भूमि भी वन क्षेत्र में सम्मिलित की जा रही है जिससे ग्रामीण किसानो के सामने भूखों मरने जैसी स्थित हो जाएगी । राजस्व महकमे व वन विभाग की मौजूदगी में सीडीओ बहराइच ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया तथा स्थलीय निरीक्षण कर संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मौका ए स्थल पर समस्त अधिकारियों की टीम ने लगभग 2 घंटे कठोर परिश्रम कर ग्रामीणों की शिकायतों को सुनकर हर संभव निस्तारित करने का प्रयास किया। वहीं गांव निवासी पीड़ित किसानों की दर्जनों महिलाएं एसडीएम नानपारा के कदमो में गिर कर न्याय माँगने लगी। महिलाओं ने बताया कि यदि उनकी जमीने वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र में सम्मिलित कर ली जाएगी तो उनके बच्चे भूखे मर जाएंगे ऐसे में क्या होगा हालांकि मुख्य विकास अधिकारी बहराइच में ग्रामीणों को आश्वस्त करवाया है कि पहले सभी किसानों की जमीन मुहैया करवाई जाएगी तत्पश्चात वन क्षेत्र में जंगल लगाने का कार्य शुरू होगा।

आज आयोजित होगा किसान दिवस

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। शासन के निर्देशानुसार जनपद के किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को आयोजित होने वाले किसान दिवसों की श्रृंखला अन्तर्गत 21 जनवरी 2026 को मध्यान्ह 12:00 बजे से विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में किसान दिवस तथा कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा कराये गये कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए डीएम श्री त्रिपाठी ने कृषि एवं एलाइड विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि गत बैठक में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की आख्या एवं अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की अद्यतन सूचनाओं सहित किसान दिवस में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

पाठकपुरवा गांव पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी, ग्रामीणों की सुनी शिकायतें

जमीन देने के बाद ही जंगल लगाने का आश्वासन

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के शिवपुर ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत पाठकपुरवागांव के ग्रामीणों द्वारा वन विभाग पर लगाए गए आरोपों के संबंध में मंगलवार को प्रशासनिक स्तर पर पहल करते हुए अधिकारियों की टीम गांव पहुंची। मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र, उपजिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी, खंड विकास अधिकारी अनुष्का श्रीवास्तव एवं डीसी मनरेगा ने राजस्व विभाग और वन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में पंचायत भवन पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनकी मनोदशा को समझा। अधिकारियों ने ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्रामीणों को स्पष्ट रूप से आश्वस्त किया गया कि पहले सभी किसानों को उनकी भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, उसके बाद ही जंगल लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि विगत 12 जनवरी को पाठकपुरवा गांव से सैकड़ों किसान जिलाधिकारी कार्यालय बहराइच पहुंचे थे, जहां उन्होंने वन विभाग पर आरोप लगाया था कि गांव के किनारे जंगल विकसित किया जा रहा है और साथ ही किसानों की जोत की भूमि पर वन विभाग द्वारा कब्जा किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना था कि यदि गांव के समीप जंगल लगाया गया तो वहां रहने वाले हिंसक वन्य जीव बच्चों और ग्रामीणों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। निरीक्षण के दौरान गांव के सैकड़ों किसान मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी ने अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर से कराया जमींदोज

सरकारी भूमि पर बने पक्के निर्माण हुए ध्वस्त

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। नानपारा तहसील क्षेत्रान्तर्गत ग्राम इमामनगर गड़रहवा स्थित गाटा संख्या-280 रकबा 0.1900 है. जोकि राजस्व अभिलेखों में खलिहान के नाम दर्ज है तथा गाटा संख्या 68 जो कि राजस्व अभिलेखों में तालाब के नाम दर्ज है। जिस पर ग्राम के ही कुल 16 व्यक्तियों के द्वारा लंबे समय से उपरोक्त सरकारी भूमि पर पक्का निर्माण करके अवैध कब्जा कर रखा था। सरकारी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण को उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के निर्देश पर नायब तहसीलदार नबाबगंज अक्षय पांडेय, राजस्व निरीक्षक सनाउल्लाह व क्षेत्रीय लेखपाल ने जे.सी.बी के माध्यम से ध्वस्त करवा दिया। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान दौरान एसएसबी व पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। तहसील प्रशासन की सख्त कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश क्षेत्र में गया है कि सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी द्वारा लगातार सरकारी भूमि पर से अवैध अतिक्रमण हटवाए जाने पर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमणकारियो में भय का माहौल है वही यह भी स्पष्ट हो गया है कि अब प्रशासन अभियान चलाकर अवैध अतिक्रमण पर कड़ी कार्यवाही कर रहा है। तहसील प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सरकारी भूमि, तालाब, चकरोड एवं सार्वजनिक संपत्तियों पर किए गए सभी अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा। सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अलखिदमत फाउंडेशन के युवाओं ने कचरे की सफाई कर दिया सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। नगर पंचायत रुपईडीहा में अलखिदमत फाउंडेशन समाज सेवा समिति के युवा समाजसेवियों ने एक सराहनीय पहल करते हुए लंबे समय से फैली गंदगी और दुर्गंध से लोगों को राहत दिलाई है। रुपईडीहा कस्बे से आईसीपी को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर बीते कई महीनों से नगर पंचायत सहित अन्य लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर कचरा डंप किया जा रहा था, जिससे वहां कचरे का ढेर लग गया था। इस कारण आसपास के क्षेत्र में भीषण दुर्गंध फैल रही थी और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया था।

उल्लेखनीय है कि जिस स्थान पर कचरा डंप किया जा रहा था, उसके ठीक बगल में श्मशान घाट तथा सामने कब्रिस्तान स्थित है। ऐसे धार्मिक स्थलों के सामने कचरा फेंकना लोगों की धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द के भी विरुद्ध था। स्थानीय लोगों ने कई बार इस पर आपत्ति जताई, लेकिन इसके बावजूद कचरा फेंकने का सिलसिला जारी रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रुपईडीहा स्थित अलखिदमत फाउंडेशन के युवाओं ने स्वयं आगे बढ़कर सफाई की जिम्मेदारी उठाई। फाउंडेशन के लगभग 10 से 12 युवाओं की टीम ने झाड़ू लगाकर सड़क पर फैले कचरे को हटाया और उसे सड़क किनारे व्यवस्थित किया। इसके बाद कचरे के ऊपर कई ट्रॉलियां मिट्टी डालकर उसे पूरी तरह ढक दिया गया, जिससे दुर्गंध और गंदगी पर रोक लग सके।

इस संबंध में अलखिदमत फाउंडेशन के अध्यक्ष रियाज शाह ने बताया कि रुपईडीहा के कुछ जागरूक और सेवा भावी युवाओं द्वारा यह समिति गठित की गई है, जो सामाजिक कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों के सामने गंदगी होना हम सभी को बहुत खटक रहा था, इसलिए फाउंडेशन के युवाओं ने मिलकर इस समस्या के समाधान का निर्णय लिया।

उन्होंने आगे कहा कि रुपईडीहा सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का प्रतीक रहा है, ऐसे में धार्मिक स्थलों के आसपास इस प्रकार की गंदगी कतई स्वीकार्य नहीं है। इसी उद्देश्य से यह सफाई अभियान चलाया गया। इस सराहनीय कार्य के लिए कस्बे के लोगों ने अलखिदमत फाउंडेशन के युवाओं की जमकर प्रशंसा की और उनके इस प्रयास को प्रेरणादायक बताया।

साइबेरियाई पक्षियों की पसंद बन रहा मंझरा डैम

कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लब के कैमरे में कैद हुआ पक्षियों का झुंड

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। कतर्निया घाट वन्य जीव विभाग क्षेत्र में बहने वाली गेरुआ नदी का अस्तित्व धीरे-धीरे खत्म हो रहा है जिससे प्रवासी पंछियों ने भी अपना स्थान बदलना शुरू कर दिया है अब प्रवासी पंछियों का कलर माजरा दम पर सुनाई देने लगा है। कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लब की पांच सदस्यीय टीम जिसमें क्लब अध्यक्ष भगवान दास लखमानी, अमन लखमानी, अंकुर राव, मो आसिफ व सत्यम रावत शामिल थे। वन्य जीव संरक्षण के सिलसिले में टीम कतर्नियाघाट गयी थी संरक्षण कार्य से फुर्सत मिलने पर टीम चौधरी चरण सिंह बैराज पहुंची होते हुए मँझरा डैम पहुंची वहां का नजारा देख सब भौंचक रह गए। मँझरा डैम में साइबेरिया से प्रवास पर आये लालसर के झुंड अठखेलियाँ कर रहे थे और उनके साथ अबलक बत्तख भी शामिल थे इस दुर्लभ दृश्य को क्लब के वन्य जीव फोटोग्राफर अमन लखमानी ने अपने कैमरे में कैद किया। भ्रमण से लौटकर आये क्लब अध्यक्ष श्री लखमानी ने बताया कि कतर्नियाघाट घूमने जाने वाले सैलानी जाड़े.के मौसम में हजारों किलोमीटर की यात्रा कर कतर्नियाघाट आने वाले इन विदेशी मेहमानों को देखने से वंचित रह जाते हैं क्योंकि सफारी और बोट मंझरा की तरफ नहीं जाते, सैलानी इन विदेशी मेहमानों को देखने के लिए बिछिया बाजार से कैलाशपुरी बाजार होते हुए मंझरा डैम जाकर इनका दीदार कर अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों के चिन्हित अतिक्रमणों को हटवाया जायः डीएम

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। भारत-नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र के 0 से 15 कि.मी. में सरकारी भूमि एवं नो मेन्स लैन्ड पर अवैध अतिक्रमण को हटाये जाने के सम्बन्ध में की जा रही कार्यवाही की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि भारत-नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र के 0 से 15 कि.मी. के मध्य सरकारी भूमि पर पाये गये 641 अवैध अतिक्रमण को चिन्हांकित करते हुये अब तक टास्क फोर्स द्वारा 212 अवैध अतिक्रमण को हटा दिया गया। अवशेष अतिक्रमण को नियमानुसार हटाये जाने की प्रकिया गतिमान है।

डीएम श्री त्रिपाठी द्वारा नो मैन्स लैन्ड पर चिन्हांकित किये गये अतिक्रमण को यथाशीघ्र हटाये जाने एवं भारत-नेपाल सीमा के ज्वाइन्ट सर्वे हेतु सर्वे आफ इंडिया को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि टास्क फोर्स द्वारा की गयी कार्यवाही की समीक्षा हेतु प्रत्येक सप्ताह सभी सम्बन्धित अधिकारी बैठक भी करें।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, बहराइच, कमॉडेन्ट 42वीं वाहिनी एस.एस.बी., कमॉडेन्ट 59वीं वाहिनी एस.एस.बी. नानपारा, उप जिलाधिकारी मिहींपुरवा, तहसीलदार नानपारा मौजूद रहे जबकि अन्य अधिकारियों द्वारा वर्चुअली बैठक में प्रतिभाग किया गया।

कांग्रेसियों का प्रतिनिधिमंडल स्वर्गीय जगदेव यादव के पीड़ित परिजनों से मिला

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। विगत दिनों हुए दोहरे हत्याकांड को लेकर आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर तथा जिलाध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह के दिशा-निर्देशन में कांग्रेस जनों का एक प्रतिनिधिमंडल स्वर्गीय जगदेव यादव के पीड़ित परिजनों से कटहरी बाग एवं स्वर्गीय ननके यादव के परिजनों से निबिहा गांव जाकर परिजनों से मुलाकात कर उन्हें अब तक न्याय न मिलने पर चिंता जताई तथा हर संभव मदद करने हेतु आश्वासन दिया। इसके साथ ही सम्पूर्ण प्रकरण की विस्तृत जानकारी प्रदेश तथा जिला कार्यालय को दिया गया। प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय सिंह, गांधी वादी नेता इन्द्र कुमार यादव,जिला उपाध्यक्ष राम नरेश यादव,सेवादल के अध्यक्ष विष्णु यादव कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के महासचिव मुस्तफा राजू, सहित कई लोग प्रतिनिधि मंडल में शामिल रहे। इस दौरान कांग्रेस नेता विनय सिंह ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह तक पीड़ित परिवार को न्याय न मिला और दोषियों को गिरफ्तार कर जेल न भेजा गया तो हम कांग्रेस जन सडक से लेकर संसद तक व्यापक रूप से आन्दोलन छेड़ेंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

हनुमान गढ़ी के महंत राजूदास महाराज दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिले

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। लव जिहाद, धर्मांतरण एवं दुष्कर्म पीड़िता के घर पहुंचकर हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत राजूदास महाराज एवं पूर्व सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल पहुंचकर न्याय दिलाने के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने परिवार के सदस्यों को बिना भय एवं दबाव के अदालती कार्यवाही में सहयोग करने को कहा। उन्होंने कहा कि बेटियों के साथ इस तरह की दरिंदगी और जबरन धर्मांतरण का दबाव किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने परिजनों को आश्वासन दिया कि वह इस मामले में शासन-प्रशासन से बात कर दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। पूर्व सांसद ने पीड़ित परिवार की सुरक्षा के लिए प्रशासन से मांग की ।

थाना कैसरगंज में कबाड़ व्यापारियों के साथ बैठक , सुरक्षा व पारदर्शिता पर जोर

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। मंगलवार को थाना कैसरगंज परिसर में थाना क्षेत्र के कबाड़ व्यापारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा चोरी व संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान व्यापारियों को अपनी-अपनी दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने, पुराना कबाड़ अथवा चोरी का सामान बेचने लाने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र प्राप्त करने, तथा प्रत्येक ग्राहक का विवरण दर्ज करने हेतु ग्राहक रजिस्टर बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार शुक्ला ने यह स्पष्ट बताया कि रात्रि के समय किसी भी प्रकार का कबाड़ का सामान न खरीदा जाए। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना थाने को देने की अपील की गई।

पुलिस द्वारा व्यापारियों को आश्वस्त किया गया कि उनका सहयोग मिलने से क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। बैठक में अन्य आवश्यक सुरक्षा व सतर्कता संबंधी दिशा-निर्देश भी दिए गए, जिनका पालन करना सभी कबाड़ व्यापारियों के लिए अनिवार्य बताया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में जनसुनवाई के दौरान 90 शिकायते प्राप्त हुई जिसमें से अधिकांश का मौके पर निस्तारण किया गया

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में लगभग 90 शिकायते प्राप्त हुई जिनमें से अधिकांश का जिलाधिकारी ने त्वरित ढंग से मौके पर निस्तारण कर दिया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने समस्त एसडीएम , खंड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित ढंग से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी तरह किसी शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस व अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण कर उसकी समय से आख्या दी जाए।

सीडीओ ने जन चौपाल में योजनाओं की हकीकत परखी

लाभार्थी चयन में अनियमितता पर होगी कठोर कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) डॉ. दिव्या मिश्रा ने सरायनाहरराय पंचायत में जन चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी और चेतावनी दी कि लाभार्थी चयन में अनियमितता या पक्षपात पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जन चौपाल का मुख्य उद्देश्य जन समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना तथा सरकारी योजनाओं की धरातलीय स्थिति का भौतिक सत्यापन करना था। चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों को राशन कार्ड से वंचित परिवारों के लिए फैमिली आईडी के महत्व के बारे में बताया गया और उन्हें फैमिली आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया गया। राशन कार्ड से संबंधित मांगों पर आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी गई। इसके अतिरिक्त, ग्रामीणों को फार्मर रजिस्ट्री, कन्या सुमंगला योजना, पीएम सूर्यघर योजना, मनरेगा श्रमिकों के श्रम विभाग में पंजीकरण के उपरांत मिलने वाले लाभ और मनरेगा योजना के स्थान पर शुरू की गई नई योजना वीबी० जी० राम जी के बारे में भी जानकारी दी गई। सीडीओ ने संबंधित सचिव को निर्देश दिए कि जिन पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके लिए आगामी सप्ताह में विशेष शिविर आयोजित कर शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी मान्धाता को ग्राम पंचायत में खराब हैंडपंपों का तीन दिवस के भीतर सर्वे कराकर उनकी मरम्मत या रिबोर की कार्यवाही सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा आवास प्लस सूची में छूटे पात्र व्यक्तियों का सत्यापन कराने के निर्देश भी खंड विकास अधिकारी को दिए गए। सीडीओ ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करने और पात्रता के आधार पर प्रत्येक व्यक्ति को योजनाओं से लाभान्वित करने पर जोर दिया। जन चौपाल में वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ शौचालय, पात्र गृहस्थी कार्ड और भूमि विवाद से संबंधित मामलों की जानकारी ली गई तथा ग्रामीणों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

संक्षेप

दो युवकों से बेरहमी से मारपीट

नगर पालिका के सामने हुई लड़ाई, पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की

बागपत , शहर कोतवाली क्षेत्र में नगर पालिका के समीप दो युवकों के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मारपीट करने वाले दो व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना शहर कोतवाली से कुछ ही दूरी पर नगर पालिका के सामने मुख्य मार्ग पर हुई। दो व्यक्तियों ने दो युवकों के साथ मारपीट की और हेलमेट से उनके सिर पर कई बार वार किए। मारपीट के दौरान मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई |इस मारपीट का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे युवकों के साथ मारपीट की जा रही है और हेलमेट का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

3 दिन से धरने पर बैठे अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस

मेला प्राधिकरण ने कहा- 24 घंटे में साबित करें कि आप शंकराचार्य हैं

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , रथ रोकने के विरोध में धरने पर बैठे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेला प्रशासन ने नोटिस जारी किया है। मेला प्राधिकरण ने उन्हें 24 घंटे में यह साबित करने को कहा है कि वे ही असली शंकराचार्य हैं। सोमवार रात 12 बजे कानूनगो अनिल कुमार माघ मेला में शंकराचार्य के शिविर पहुंचे। उन्होंने शंकराचार्य के शिष्यों से नोटिस लेने के लिए कहा। शिष्यों ने नोटिस लेने से मना कर दिया। कहा- इतनी रात में कोई नहीं हैं। सुबह आइएगा। कानूनगो अनिल कुमार मंगलवार सुबह फिर शंकराचार्य शिविर पहुंचे। वहां गेट पर नोटिस चस्पा कर दिया। नोटिस मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से जारी किया गया है। दरअसल, ज्योतिषपीठ में शंकराचार्य की पदवी को लेकर अविमुक्तेश्वरानंद और वासुदेवानंद के बीच विवाद है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसी बात को आधार बनाकर प्रयागराज माघ मेला प्रशासन ने नोटिस जारी किया। इसमें लिखा है... ज्योतिषपीठ में शंकराचार्य पद का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट ने 14 अक्टूबर 2022 को आदेश दिया था कि जब तक इस केस का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक किसी को भी शंकराचार्य घोषित नहीं किया जा सकता, न ही किसी का पट्टाभिषेक किया जा सकता है। कोर्ट ने इस पद पर किसी को बैठाने पर रोक लगाई है। मामले में अब तक कोई नया आदेश नहीं आया है। केस अभी भी कोर्ट में लंबित है। बावजूद इसके माघ मेले के दौरान अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने शिविर में लगे बोर्ड पर खुद को ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य लिखा है। इस कृत्य से सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना हुई है। 24 घंटे में बताएं कि खुद को शंकराचार्य कैसे लिख रहे हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- मैं हूं ज्योतिषपीठ का शंकराचार्यइससे पहले, सोमवार को प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- शंकराचार्य वो होता है जिसे बाकी 3 पीठ शंकराचार्य कहते हैं। 2 पीठ हमें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में हमको साथ लेकर स्नान कर चुके हैं। अब आपको किस प्रमाण की जरूरत हैं। क्या ये प्रशासन तय करेगा कि हम शंकराचार्य हैं या नहीं। भारत के राष्ट्रपति को भी अधिकार नहीं है कि वो तय करे कि कौन शंकराचार्य होगा। शंकराचार्य का निर्णय शंकराचार्य करेगा पुरी के शंकराचार्य ने हमारे बारे में कुछ नहीं कहा। वो साइलेंट हैं। हम निर्विवाद रूप से ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य हैं। अगर कोई कहता है कि मैं ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य हूं तो आकर बात करे।

इधर, शंकराचार्य अड़े हैं कि जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगेगा, तब तक वे आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। उन्होंने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- हर मेले में प्रयागराज आऊंगो।

प्रयागराज माघ मेले में सफाई कर्मियों की हड़ताल

भुगतान में लापरवाही का आरोप, मेला क्षेत्र में गंदगी बढ़ी

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , संगम नगरी प्रयागराज में माघ मेले के दौरान सफाई कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। इस हड़ताल के कारण मेला क्षेत्र की सफाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। सफाई कर्मियों ने हरिहर आरती स्थल से खड़ंजा रोड तक कचरा फैलाकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त की। सफाई कर्मियों का आरोप है कि महाकुंभ के दौरान किए गए कार्यों का भुगतान अभी तक पूरा नहीं हुआ है। कई कर्मचारियों को महीनों से बकाया राशि नहीं मिली है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 16 हजार रुपये के मानदेय में से उन्हें केवल 14 हजार रुपये ही दिए जा रहे हैं। शेष राशि का भुगतान न होने से कर्मियों में आक्रोश है। माघ मेले के दौरान कराए जा रहे अतिरिक्त कार्यों का भुगतान भी लंबित बताया जा रहा है। सफाई कर्मियों ने ठेकेदारों पर भी आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार, माघ मेले में बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों को ठेकेदारों के माध्यम से नियुक्त किया जाता है, जो समय पर भुगतान नहीं करते। इससे कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि प्रशासन और ठेकेदारों के बीच समन्वय की कमी के कारण मजदूरों को हर साल ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। हड़ताल के कारण मेला क्षेत्र में जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए हैं। स्नान घाटों, प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गंदगी बढ़ने से श्रद्धालुओं को असुविधा हो रही है। बदबू और अव्यवस्था से मेला क्षेत्र की छवि भी प्रभावित हो रही है। मेला प्रशासन हड़ताल समाप्त कराने के लिए सफाई कर्मियों से बातचीत कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि भुगतान संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु ठेकेदारों से भी संपर्क साधा जा रहा है, ताकि स्थिति को जल्द सामान्य किया जा सके। यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं होता है, तो आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ स्थिति और बिगड़ सकती है।

बागपत तहसील में समस्या समाधान दिवस आयोजित

19 में से 4 शिकायतों का मौके पर हुआ तत्काल निस्तारण

बागपत , परिसर में शनिवार को समस्या समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। जिलाधिकारी अस्मिता लाल, पुलिस अधीक्षक सूरज राय, उपजिलाधिकारी अनारचंद वर्मा और नायब तहसीलदार वंशिका सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को सुना और त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। समस्या समाधान दिवस के दौरान कुल 19 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही तत्काल निस्तारण कर दिया गया। प्राप्त शिकायतों में एक मामला चकबंदी से संबंधित था, एक शिकायत पुलिस विभाग से जुड़ी थी, जबकि सर्वाधिक 17 शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित पाई गईं। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी पुलिस अधीक्षक सूरज राय ने पुलिस से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी अनारचंद वर्मा ने राजस्व से संबंधित मामलों में पारदर्शिता और निष्पक्षता से कार्रवाई करने की बात कही। नायब तहसीलदार वंशिका सिंह ने भी शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित इस समस्या समाधान दिवस से जनता को अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगी है। प्रशासन ने भी जनता से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं को समस्या समाधान दिवस के माध्यम से दर्ज कराएं, ताकि उनका समय रहते निस्तारण किया जा सके।

चुनाव प्रचार समाप्त प्रत्याशियों ने भरी हुंकार

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश बार एसोसिएशन चुनाव का चुनाव प्रचार चरम सीमा पर पहुंचा संपूर्ण प्रदेश समेत फतेहपुर जनपद मे प्रत्याशियों ने अपनी अपनी जीत के दावे पेश किये जनपद के कचहरी परिसर अंतर्गत अधिवक्ता अनुज दीक्षित समेत अन्य प्रत्याशी अपना प्रचार प्रसार करते नजर आए प्रत्याशियों ने अपील करते हुए अपने पक्ष में मतदान करने के लिए सभी अधिवक्ताओं को रिझाया वरिष्ठ अधिवक्ता प्रत्याशी अनुज दीक्षित समेत सभी अधिवक्ताओं ने अग्रिम जीत का जश्न मनाते हुए एक साथ भोजन प्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर अधिवक्ता अजय सिंह रिंकू लोहारी बबलू कालिया बबलू पटेल रमेश तिवारी शिवा ठाकुर मनीष सिंह शिव बहादुर सिंह अधिवक्ता जिला पंचायत सदस्य समेत भारी संख्या में अधिवक्ता गण मौजूद रहे

सीसीएसयू के हॉस्टल में भिड़े छात्रों के गुट

देर रात कुलपति कार्यालय पर धरना देने पहुंचे छात्र, प्रबंधन बोला होगी कठोर कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के आर के छात्रावास में छात्रों के दो गुटों में शाम विवाद हो गया, । इसके बाद वर्चस्व की लड़ाई को लेकर दोनों छात्रों के गुट आपस में भिड़ गए। मौके पर हॉस्टल वार्डन और अन्य विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा पहुंचकर स्थिति को सामान्य किया गया आपस में था विवाद विश्वविद्यालय के चीफ प्रोक्टर डॉक्टर वीरपाल सिंह का कहना है कि आर के हॉस्टल के छात्रों के दो गुटों में आपसी विवाद था। हॉस्टल की लाइट जाने के दौरान यह ज्यादा बढ़ गया इसके बाद छात्र आपस में हंगामा कर रहे थे तब हॉस्टल वार्डन मौके पर पहुंचे और स्थिति को सामान्य किया कल सुबह छात्रों की सीसीटीवी के माध्यम से पहचान कर उचित कार्रवाई की जाएगी । कुलपति ऑफिस पर पहुंचे छात्र हंगामा करने वाले छात्रों का एक अच्छा हंगामा के बाद कुलपति कार्यालय के बाहर धरना देने के उद्देश्य भी पहुंचा लेकिन विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा उनको समझा कर वहां से भेज दिया गया प्रबंधन द्वारा काफी मशक्कत करने के बाद स्थिति को सामान्य किया गया दोनों गुटों को फिलहाल के लिए समझा दिया गया है सुबह कठोर कार्रवाई की जाएगी। लगातार वायरल हो रहे हैं हॉस्टल के वीडियो चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्रावासों के वीडियो लगातार वायरल हो रहे हैं कभी दीपावली पर छात्र पेट्रोल बम जलते हैं तो कभी छात्रों का आपसी विवाद रहता है। इन सभी के बावजूद प्रबंधन इस प्रकार अनुशासनहीनता फैलाने वाले छात्रों पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं कर रहा है। इसको लेकर विश्वविद्यालय के छात्र नेता अक्षय बैंसला ने कहा कि हॉस्टलों में बाहरी छात्रों का भी आना-जाना लगा रहता है जो सिर्फ माहौल बिगाड़ने का ही काम करते हैं।

एस आई आर को लेकर ब्लॉक मुख्यालय में हुई बैठक

उपजिलाधिकारी ने बीएलओ कर्मियों को दिए जरूरी दिशा निर्देश

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। मतदाता पुनरीक्षण विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद के अमौली विकासखंड मुख्यालय में समीक्षा बैठक संपन्न हुई खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे उप जिला अधिकारी न्यायिक प्रदीप रमन ने विकासखंड के उच्च अधिकारियों एवं ग्रामीण क्षेत्र में एस आई आर का कार्य कर रहे बीएलओ कर्मियों के साथ बैठक करते हुए सीधा संवाद स्थापित किया उप जिलाधिकारी ने मतदाता सूची में अनेकों समस्याओं तथा उनके समाधान संशोधन के लिए कर्मचारियों को नवीन जानकारियां देते हुए निर्देशित किया वहीं नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए भी बीएलओ कर्मियों को प्रेरित किया गया मौके पर मौजूद खंड विकास अधिकारी के साथ सीडीपीओ अजय सिंह खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार पाल तहसीलदार सुशील कुमार आदि ने भी कर्मचारियों के साथ महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की इस मौके पर अमौली विकासखंड के सहायक विकास अधिकारी मुन्नालाल एडियो पंचायत विनोद कुमार बीएलओ शिक्षक प्रशांत पाण्डेय आर्य कुमार पाण्डेय अनुज दुबे रामकुमार संदीप कुमार मनोरमा बेबी गुप्ता प्रियंका ममता सुमन सरला वर्मा ममता देवी आनंद देवी रीता सविता देवी नीलम सत्येंद्र सरोज मधु वर्मा सरिता शांति ऊषा आदि सैकड़ो बीएलओ कर्मचारी व क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे

लिफ्ट में सिर फंसने से युवक की मौत

मोटर की मदद से जुगाड़ से चलाई जा रही थी, परिजन बोले- लापरवाही से गई जान

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , वेलवेट बैंक्वेट हाल में लिफ्ट में सिर फंसने से एक युवक की मौत हो गई। रात तक जब घर नहीं लौटा तो परिजन ने तलाश शुरू की। लेकिन पता नहीं चला। परिजन ने परिचित के साथ बैंक्वेट हॉल में खोजबीन की। इसी दौरान लिफ्ट के पास नीचे की ओर युवक का शव फंसा हुआ मिला। जिसके बाद बैंक्वेट हॉल के मैनेजर ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को निकलवाया। घटनास्थल की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराई गई। फोरेंसिक और फील्ड यूनिट को बुलाकर लिफ्ट, उसके गाइड रेल, कंट्रोल मैकेनिज्म, दीवारों और आसपास के हिस्सों की बारीकी से जांच कराई गई। उसके बाद लिफ्ट को सील कर दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजन का आरोप है कि लापरवाही के कारण उसके बेटे की मौत हुई है। उन्होंने बैंक्वेट हॉल के अधिकारियों के खिलाफ सिहानीगेट थाने में तहरीर दी है। घटना 15 जनवरी को पटेल नगर की है। 15 जनवरी को दोपहर में बैंक्वेट हॉल में सफाई करने गया थाएसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया- शिवकुमार (25) 15 जनवरी को दोपहर करीब डेढ़ बजे बैंक्वेट हॉल में सफाई का काम करने के लिए आया था। काम खत्म होने के बाद वह घर नहीं लौटा। देर रात तक संपर्क न होने पर परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। 16 जनवरी को बैंक्वेट हॉल की लिफ्ट में मिली लाश16 जनवरी को सुबह शिवकुमार के परिजनों और परिचितों ने बैंक्वेट हॉल की तलाशी ली। इसी दौरान लिफ्ट के पास नीचे की ओर शिव कुमार का शव फंसा हुआ मिला। इसके बाद बैंक्वेट हॉल के मैनेजर राजेश ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सत्यकाम स्कूल के पूर्व डायरेक्टर गिरफ्तार

अनुज शर्मा पर 3 करोड़ रुपये के गबन का आरोप, थाने पर जुटे समर्थक

अमन लेखनी समाचार

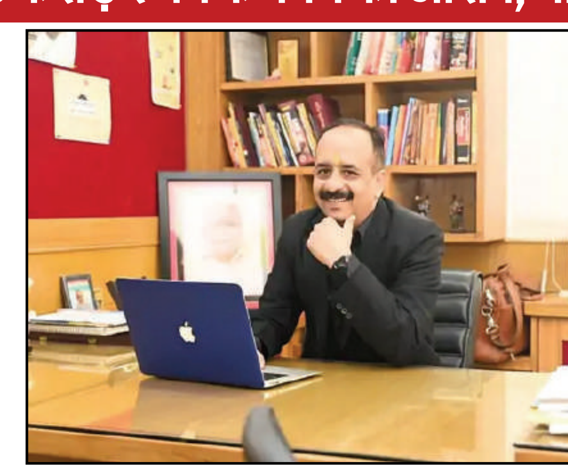

मेरठ , लोहियानगर थाना क्षेत्र स्थित सत्यकाम इंटरनेशनल स्कूल से जुड़े 3 करोड़ रुपए से अधिक के गबन मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने स्कूल के पूर्व डायरेक्टर और पूर्व ट्रस्टी अनुज शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही उनके समर्थक थाने पर जमा हो गए, जिससे कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। हालांकि, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित कर कानून-व्यवस्था बनाए रखी। यह मुकदमा सत्यकाम एजुकेशनल ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष अमित शर्मा (निवासी आगरा) की शिकायत पर लोहियानगर थाने में दर्ज कराया गया था। तहरीर में पूर्व ट्रस्टी अनुज शर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य रश्मि शर्मा और एक अज्ञात व्यक्ति को नामजद किया गया है। आरोप है कि तीनों ने मिलकर ट्रस्ट के 3 करोड़ रुपए से अधिक के फंड का गबन किया। फर्जी दस्तावेजों से खुलवाया अलग बैंक खाता शिकायत के अनुसार, पूर्व डायरेक्टर अनुज शर्मा ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर यूनिवर्सिटी रोड स्थित इंडियन बैंक में ट्रस्ट के नाम से एक अलग खाता खुलवाया। स्कूल की फीस इसी खाते में जमा करवाई जाती थी, जिससे धनराशि का कथित रूप से गबन किया गया। जब ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों ने इस पर आपत्ति जताई, तो आरोप है कि उन्हें बाउंसरों और असामाजिक तत्वों के माध्यम से स्कूल परिसर से बाहर निकलवा दिया गया। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और जांच में अनुज शर्मा की संलिप्तता सामने आई |पूर्व प्रधानाचार्य की सेवा समाप्त मामले के सामने आने के बाद प्रबंधन समिति ने पूर्व प्रधानाचार्य रश्मि मिश्रा की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी थीं। उनकी सेवा समाप्ति और कार्यभार सौंपने से संबंधित नोटिस स्कूल के गेट पर चस्पा किया गया, जिससे विवाद और गहरा गया। ट्रस्ट डीड को लेकर भी विवाद पुलिस जांच के दौरान ट्रस्ट डीड को लेकर भी बड़ा विवाद सामने आया है। एक पक्ष 2010 की मूल ट्रस्ट डीड और 2013 के संशोधन को वैध बता रहा है, जबकि दूसरा पक्ष 2025 में पंजीकृत नई ट्रस्ट डीड को फर्जी करार दे रहा है। शनिवार को गिरफ्तारी के बाद पुलिस अनुज शर्मा से गहन पूछताछ कर रही है। फिलहाल थाना पुलिस ने मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है

जेवर के दयानतपुर गांव में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण

तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज, प्रशासन की सख्त कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

जेवर ,ग्रेटर नोएडा के जेवर तहसील क्षेत्र स्थित दयानतपुर गांव में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के तीन व्यक्तियों ने नियमों का उल्लंघन कर सरकारी भूमि पर कब्जा कर निर्माण कार्य किया। शिकायत के बावजूद आरोपियों ने निर्माण हटाने में कोई रुचि नहीं दिखाई, जिसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, दयानतपुर गांव में महेश, मुकेश और कुमारपाल नामक व्यक्तियों ने सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण किया था। इस संबंध में स्थानीय स्तर पर शिकायत प्राप्त हुई, जिसके बाद लेखपाल प्रदीप ने मौके पर जाकर जांच की। जांच में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की पुष्टि हुई। लेखपाल ने आरोपियों को कई बार निर्माण हटाने के निर्देश दिए, लेकिन उन्होंने इन आदेशों की अनदेखी की। लगातार चेतावनियों के बावजूद अवैध निर्माण नहीं हटाए जाने पर लेखपाल प्रदीप ने शनिवार को जेवर कोतवाली में तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

100 से अधिक बाइक चोरी करने वाले 2 गिरफ्तार

15 बाइक बरामद, 5 सेकेंड में लॉक तोड़कर दूसरे गैंग को सप्लाई करते हैं

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, 100 से अधिक वाहनों को चोरी करने वाले दो बदमाशों को थाना सेक्टर-58 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 15 दो पहिया वाहन बरामद किए गए हैं। इनके नाम अनुराग (25) निवासी दिल्ली और देव दत्त शर्मा (30) निवासी नोएडा है। दोनों को एनआईबी चौकी खोड़ा रोड से गिरफ्तार किया गया। ये दोनों शातिर किस्म के बदमाश हैं। ये लोग रेकी करने के लिए भीड़भाड़ वाले बाजार, कंपनियों पार्किंग से नोएडा, दिल्ली एनसीआर क्षेत्र से दोपहिया वाहन चोरी करते हैं। चोरी के वाहन को ऐसी जगह छुपाते हैं जहां पर लोगों का आना-जाना न हो। ये लोग समय-समय पर जगह बदलते रहते हैं |डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि नोएडा, एनसीआर क्षेत्र में 100 से अधिक वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है।

दूसरे गैंग को करते सप्लाई

ये लोग बाइक चोरी करने के बाद दूसरे गैंग को बाइक देते थे। जिनसे वारदात को अंजाम दिया जाता था। यानी अधिकांश बाइक ऑन डिमांड चोरी की जाती थी। इनसे पूछताछ की गई जिससे कई अन्य शातिर गैंग की जानकारी मिली है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार किया जाएगा।

नोएडा-दिल्ली में इस गैंग ने की चोरी

पूछताछ पर इनके द्वारा बताया गया कि इनसे बरामद मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी16बीएल-7217 को इन दोनों ने मिलकर महीने नवंबर में आम्रपाली सिलिकोन सिटी सेक्टर-76 से चोरी की थी।

नोएडा पुलिस एआई से करेगी क्राइम कंट्रोल

यक्ष ऐप में डेटा किया जा रहा स्टोर, लखनऊ से होगी सीधी मॉनिटरिंग

अमन लेखनी समाचार

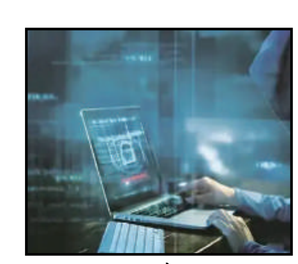

नोएडा, शहर में क्राइम को कंट्रोल और मॉनिटरिंग के लिए पुलिस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इसके लिए यूपी पुलिस के एआई आधारित यक्ष ऐप के लिए अपराध और अपराधियों के लिए हर थाने में डिजिटल कुंडली तैयार की जा रही है। थाने स्तर पर चौकी व बीट इंचार्ज से अपराधियों व अपराध से जुड़े डेटा की फीडिंग करवाई जा रही है। अपराधी, अपराध, अपराध के हॉटस्पॉट व अन्य ब्यौरा फीड होने के बाद एआई के जरिए पुलिस छोटी सी छोटी जानकारी आसानी से मिलनी शुरू हो जाएगी। अभी तक जितने डेटा की फीडिंग हो गई है उससे पुलिस ने ट्रायल के तौर पर मदद लेनी शुरू कर दी है। इसके परिणाम सकारात्मक रहे हैं। नोएडा पुलिस दिल्ली के उन अपराधियों व गैंग का भी ब्यौरा ऐप के लिए डिजिटली तैयार कर रही है जिनकी शहर में सक्रियता रहती है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐप को लेकर बीट स्तर तक पर प्रशिक्षण दिया गया है। एआई आधारित इस ऐप पर जितना ज्यादा डेटा फीड किया जाएगा उतना ही मददगार होगा। अपराधियों के साथ उनके क्षेत्र, अपराध के पैटर्न को भी फीड किया जा रहा है। ऐसे में अगर किसी क्षेत्र में कोई अपराध होता है तो उस पैटर्न से जुड़े अपराधियों का ब्यौरा पुलिस के पास होगाफिर कौन सा अपराधी जेल में है और कौन बाहर इस हिसाब से पुलिस के लिए छटनी आसान होगी। सभी 26 थानों में जो अपराधी पकड़े जा रहे हैं और जो फरार हैं उनके फोटो की फीडिंग भी की जा रही है। बीट कॉन्स्टेबल अपने क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की गतिविधि व उनके फोटो को भी रखेंगे और ऐप के जरिए रिपोर्ट करेंगे।

श्री गायत्री विधा मंदिर इंटर कालेज की 24 जनवरी से 30 तक होगी प्रयोगात्मक परीक्षाएं

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के श्री गायत्री विद्या मंदिर इंटर कालेज में इंटरमीडिएट रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, भूगोल, शारीरिक योग शिक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 24 जनवरी से 30 जनवरी तक होगी।कालेज के प्रधानाचार्य उपेंद्र कुमार श्रीवास ने बताया कि 24 जनवरी को रसायन विज्ञान, 27 जनवरी को जीव विज्ञान, 28 जनवरी को भौतिक विज्ञान एवं भूगोल तथा 30 जनवरी को शारीरिक योग शिक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षा कालेज में संपन्न कराई जाएगी।

जाम से परेशान रहे कस्बावासी

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। मुख्यालय में लगा भीषण जाम का असर कस्बे में भी पड़ा। जाम के चलते लोग जरूरी कार्य से समय पर मुख्यालय नहीं पहुंच सके। वहीं जाम में अखबार की गाड़ियां फंसी रहने से समय पर अखबार नहीं आ सका इससे लोग कस्बे में परेशान रहे।मुख्यालय में लगे जाम का असर कस्बे की गतिविधियों में भी पड़ा।सुबह कस्बे से मुख्यालय जाने वाली स्कूली बसें नहीं पहुंच सकी इससे छात्र छात्राएं परेशान रहे। वही लोग जरूरी कार्य से मुख्यालय समय पर नहीं पहुंच पाए। जाम में अखबार की गाड़ियां फस जाने से कस्बे में सुबह समय पर अखबार नहीं बट सका इससे लोग परेशान रहे।

कृषक-श्रमिक चौपाल का सफल आयोजन किया गया

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर।ग्राम पंचायत इंगोहटा के रामलीला मैदान में विकसित भारतझजी राम जी जनजागरण अभियान के अंतर्गत कृषक-श्रमिक चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने को संबोधित करते हुए किसानों व श्रमिकों के हित में चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने का आह्वान किया इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शकुन्तला निषाद, सुधेश द्विवेदी, संतराम गुप्ता, चक्रवर्ती शुक्ला,शिवेन्द्र सिंह, अमित गुप्ता, अमित सिंह,योगेन्द्र दीक्षित सहित पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

विश्व पुस्तक मेले में सोनभद्र की कवयित्री डॉ रचना तिवारी की पुस्तक लोकार्पित

–उनके गीतों ने लेखक मंच पर समां बांधा।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जानी मानी कवयित्री लेखिका और सामाजिक चिंतक डॉक्टर रचना तिवारी के नए कविता संग्रह सपनों की उम्र नहीं होती का 16 जनवरी 2026 को दिल्ली में चल रहे विश्व पुस्तक मिले के लेखक मंच पर लोकार्पण संपन्न हुआ। पुस्तक का लोकार्पण हिंदी के गणमान्य लेखकों, संस्कृति कर्मियों के द्वारा किया गया। ज्ञातव्य है कि डॉ रचना तिवारी हिंदी साहित्य की दुनिया में पिछले तीन दशकों से सक्रिय हैं और झील में उतरी नावै, कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होतै, मेरे गीत तुम्हीं से जन्मै सहित कई कविता संग्रह, गजल संग्रह, मुक्तक संग्रह अब तक प्रकाशित हो चुके हैं। हिंदी कविता के सौंदर्य बोध के विभिन्न पहलुओं और विमर्शों पर शोध कार्य करने वाली डॉक्टर रचना तिवारी ने इस बीच एक आलोचक की ख्याति भी पाई है और काव्य मंचों की भी लोकप्रिय हस्ताक्षर हैं। देश के अनेक राष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने अपनी कविता पाठ से अदब की दुनिया में एक रचनात्मक हलचल पैदा की है। हिंदी के जाने माने आलोचक डॉक्टर ओम निश्चल ने कहा कि रचना तिवारी के गीतों की पृष्ठभूमि में सामाजिक समस्याएं और जीवन जगत की विडंबनाएं बेबाक ढंग से उजागर हुई हैं और उन्हें किसी भी रचना को छंद में पिरोने में महारत हासिल है। वे कविताओं से श्रोताओं को गहरे कनेक्ट कर लेती हैं । डॉक्टर रचना तिवारी को अब तक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मान साहित्य रचना के लिए हासिल हो चुके हैं। लेखक मंच पर हुए लोकार्पण समारोह और शांति समरसता और सद्भावना को समर्पित कवि सम्मेलन में उन्होंने अपने गीतों से समा बांधा और श्रोताओं को अपनी ओज और उदात्तपूर्ण वाणी से विमुग्ध कर दिया।

उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री को रचना तिवारी ने पुस्तक भेंट की

सोनभद्र। नई दिल्ली में चल रहे विश्व पुस्तक मेले के दौरान उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर ने मेले के दौरा किया। उन्हें सर्वभाषा ट्रस्ट के स्टॉल पर पधारे उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर को सोनभद्र की सुपरिचित लेखिका डॉ रचना तिवारी ने अपनी सद्यःप्रकाशित पुस्तक सपनों की उम्र नहीं होती की प्रति भेंट की। उन्होंने रचना तिवारी की कविताओं की सराहना की तथा इन्हें मानवता के हित में उनका सर्जनात्मक अवदान बताया।

धूमधाम से मना लाल बहादुर शास्त्री पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) पिंडारी स्थित लाल बहादुर शास्त्री पब्लिक स्कूल में रविवार को विद्यालय का तृतीय वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्हे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया और पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री मानसिंह गोंड जी (ब्लॉक प्रमुख, म्योरपुर) एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्री अमरेश तिवारी (जरहाँ) द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। वार्षिक उत्सव में विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य, कव्वाली, सोशल मीडिया पर आधारित नाटक, नशा मुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ मुख्य आकर्षण रहीं। ग्रामीण परिवेश के नन्हे-मुन्हे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम अत्यंत ही सराहनीय एवं भावपूर्ण रहे, जिन्हें दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा। विद्यालय के प्रबंधक श्रवण गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विद्यालय का तृतीय वार्षिकोत्सव है उन्होंने कहा की बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय परिवार निरंतर प्रयासरत है । अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोंड ने विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण एवं दुरूह क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाना सराहनीय कार्य है, जिसे विद्यालय के प्रबंधक द्वारा पूरी निष्ठा से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु ही बच्चों के सच्चे संरक्षक होते हैं और इस विद्यालय के शिक्षक अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने मेधावी छात्रों को पुरस्कृत करने की घोषणा भी की। विशिष्ट अतिथि अमरेश तिवारी ने कहा कि ग्रामीण बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती, आवश्यकता केवल उन्हें निखारने की होती है, जिसे यह विद्यालय सफलतापूर्वक कर रहा है। उन्होंने समस्त कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु सहयोग देने की घोषणा भी किया। इस अवसर पर श्याम नारायण पांडे (प्रधानाचार्य, हॉली लाइट पब्लिक स्कूल बभनी), सचिन कुमार सिंह (प्रधानाचार्य, प्रभावती सिंह इंटर कॉलेज, जरहाँ), रविंद्र कुमार (प्रवक्ता, शिवम संकल्प इंटर कॉलेज बखरिहवाँ), ईश्वरी प्रसाद, संगीत कुमार गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, राम सजीवन (ग्राम प्रधान पिंडारी), अवधेश जायसवाल, सैफ अली, गणेश विश्वकर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं सैकड़ों की संख्या में अभिभावक व दर्शक उपस्थित रहे।

आर्थो विभाग की रिपोर्ट के बाद हैलेट से मिलेगी मुख्य आरोपी को छुट्टी

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। लव जिहाद गैंगरेप एवं धर्मांतरण के मुख्य आरोपी की पुलिस मुठभेड़ के दौरान टांग की हड्डी में गोली लगने के बाद हैलेट में पुलिस अभिरक्षा में चल रहे इलाज में अब आर्थो विभाग की रिपोर्ट का मामला अटक गया है। आर्थो विभाग की रिपोर्ट के बाद ही मुख्य आरोपी को हैलेट से छुट्टी मिलने की उम्मीद है पुलिस मंगलवार को लवजिहाद, गैंगरेप एवं धर्मांतरण के दबाव में मुख्य आरोपी अबान उर्फ अफान खान को हैलेट से डिस्चार्ज कराकर अदालत में लाने की कोशिश में थी लेकिन हैलेट प्रशासन ने आर्थो विभाग की रिपोर्ट आने के बाद ही मुख्य आरोपी को डिस्चार्ज करने की बात कही है। इससे मुख्य आरोपी को अस्पताल से लाकर जेल भेजे जाने की कोशिश एक बार फिर असफल हो गई है। गत 15 जनवरी को देर रात हुई मुठभेड़ के बाद से मुख्य आरोपी का उपचार कानपुर के हैलेट में चल रहा है।

पीड़ित की तहरीर पर पति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के सिजनौडा गांव निवासी विनोद कुमार पुत्र रामफल कश्यप ने शराब के नशे में धुत पहले पत्नी और अपने बुजुर्ग पिता से झगड़ा किया और फिर गुस्से में अपनी 7 साल की मासूम बेटी वर्षा की बेरहमी से गोदी से जमीन पर पटक दिया। जहां बच्ची की बेहोश हो गई , जिसे प्राथमिक इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल ले गए जहां प्राथमिक इलाज के बाद बाँदा हायर सेंटर रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही यूपी-112 पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पिता को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई। पत्नी सरिता देवी ने बताया कि मेरा पति शराब पीकर घर मे आए दिन झगड़ा व मारपीट करता रहता है मौदहा कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी फिलहाल हिरासत में है और पीड़ित परिवार की तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक के सहयोग से 5000 यात्री मौनी अमावस्या स्नान के लिए प्रयागराज रवाना

अमन लेखनी समाचार

बस्ती / हरैया विधायक अजय सिंह ने मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान के लिए क्षेत्र वासियों को निशुल्क निजी बस सुविधा मुहैया कराकर बड़ी सौगात दी है। शनिवार को 100 बसों में 5000 यात्री प्रयागराज के लिए रवाना हुए। यात्रा को गोरखपुर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी और अन्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने विधायक के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र के जो अक्षम लोग हैं उनके लिए इस तरह के कार्य करना निश्चित तौर पर सराहनीय है। उन्होंने कहा कि संगम स्नान हिंदू धर्म की सबसे पवित्र परंपराओं में से एक है और इससे श्रद्धालुओं को आस्था और आत्मशुद्धि का अद्भुत अवसर प्राप्त होता है। महापौर ने कहा कि मौनी अमावस्या पर तीर्थराज प्रयाग के संगम पर स्नान का विशेष महत्व है। यहां पर स्नान और दान करने से पूर्वज प्रसन्न होते हैं साथ ही आने वाली पीढ़ियों को भी इसका विशेष फल मिलता है। कहा कि इससे मोक्ष व सुख-समृद्धि मिलती है। उन्होंने विधायक की सराहना करते हुए कहा कि विधायक द्वारा क्षेत्रवासियों को दी जा रही यह सुविधा प्रशंसनीय है। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने श्रद्धालुओं के सुखद और मंगल यात्रा की कामना करते हुए शुभकामना दिया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि यात्रियों के लिए रहने खाने इत्यादि की भी व्यवस्था निःशुल्क कराई गई है। बताया कि यह बसें तीर्थयात्रियों को लेकर प्रयागराज जाएंगी, जहां उन्हें दर्शन स्नान कराने के बाद वापस अयोध्या दर्शन कराते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। कहा कि मौनी अमावस्या का संगम स्नान केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा का केंद्र है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए। विधायक ने यात्रा के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी श्रद्धालुओं में किया। इस अवसर पर सुशील सिंह, यशवंत सिंह, पवन कसौधन, प्रेमसागर तिवारी, रवि सोनकर, प्रत्यूष विक्रम सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, श्रीश पाण्डेय, दुष्यन्त विक्रम सिंह, रघुनाथ सिंह, अखिलेश सिंह, अंकुर वर्मा, भोला निषाद, दिवाकर मिश्र, सरोज बाबा, अजय तिवारी, अमरनाथ सिंह, धर्मध्वज सिंह सभासद, प्रेम शंकर ओझा, विवेक कान्त पाण्डेय सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

हरदोई में जुए के विवाद में हुई थी युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

हरदोई।जिले के शाहाबाद इलाके में युवक के ब्लाइंड मर्डर का पाली पुलिस ने खुलासा कर दिया है और इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।जुएं के विवाद में यह हत्या की गई थी और शव को गन्ने के खेत मे छिपा दिया गया था।मृतक के भाई ने अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।मामले का खुलासा करते हुए सीओ शाहाबाद आलोक राज नारायण ने बताया कि 23 अक्टूबर 2025 को राजपाल मौर्य निवासी ग्राम उधरनपुर थाना शाहाबाद द्वारा थाना शाहाबाद पर मुकदमा दर्ज कराया था कि उसका भाई गौतम उर्फ गबडू घर से खाना खाने के बाद कहीं चला गया था। जिस का शव 2 नवम्बर 2025 को ग्राम बेहटा कोला गांव के बाहर गन्ने के खेत में मिला था।एसपी अशोक कुमार मीणा के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया था और मृतक के परिजनों से वार्ता कर न्यायोचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया था एवं संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे।इसी कड़ी में थाना पाली पुलिस द्वारा प्रकाश में आये दीपक कटियार व अनुज पाल ग्राम उधरनपुर थाना शाहाबाद को गिरफ्तार किया गया है।इनसे पूछताछ के दौरान पता चला कि गौतम उर्फ गबडू गांव के ही दीपक कटियार, अनुज पाल व अनीश पाल के साथ बेहटा कोला गांव में जुआ खेलने जा रहे थे। रास्ते में जुआ खेलने के पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। विवाद में ही मृतक गौतम उर्फ गबडू के गिरने से सिर में चोट लग गई। चोट लगने के कारण गौतम उर्फ गबडू ने 112 पर काल लगाना चाहा तो दीपक कटियार अनुज पाल व अनीश पाल ने पकडे जाने के डर के कारण गौतम उर्फ गबडू की हत्या कर दी और शव को गन्ने के खेत में छिपा दिया था।सीओ ने बताया कि अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

हरदोई मेडिकल कॉलेज में 'मानवता' का सफल अंतिम संस्कार, ई-रिक्शे पर सवार हुआ सिस्टम

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। अगर आप गरीब हैं और यह उम्मीद रखते हैं कि सरकारी अस्पताल में आपके आंसुओं की कोई कीमत होगी, तो अपनी इस गलतफहमी का इलाज भी उसी अस्पताल से करवा लीजिए। हरदोई मेडिकल कॉलेज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वहां डॉक्टर और दवाइयां भले ही वक्त पर न मिलें, लेकिन 'संवेदनहीनता' का स्टॉक हमेशा फुल रहता है।ताजा मामला मन्नापुरवा के विजयपाल के 10 माह के मासूम बेटे हर्षित का है। सांसें थमीं तो लगा कि शायद सिस्टम का कलेजा पसीजेगा। अस्पताल परिसर में दो-दो शव वाहन खड़े-खड़े अपनी चमक बढ़ा रहे थे, लेकिन मजाल है कि किसी गरीब के लिए उनका पहिया घूम जाए। शायद वे गाड़ियां किसी 'वीआईपी' लाश के इंतजार में अपनी बैटरी बचा रही थीं। आखिर 10 महीने के बच्चे का वजन ही कितना होता है जब सरकारी सिस्टम ने अपनी आंखें मूंद लीं, तो एक बदहवास मां को अपने कलेजे के टुकड़े के शव को लेकर ई-रिक्शे का सहारा लेना पड़ा। यह दृश्य उन अधिकारियों के गाल पर करारा तमाचा है जो फाइलों में 'बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं' का गुलाबी रंग भरते हैं।डीजल महंगा है, संवेदनाएं सस्ती हैं। इलाज मिले न मिले, पर आत्मनिर्भरता ई-रिक्शा ढूंढना जरूर मिल जाएगी।अब इस मामले पर जांच बैठेगी, कमेटियां बनेंगी और अंत में दोष या तो किस्मत पर मढ़ दिया जाएगा या उस मजबूर मां पर, जिसने सरकारी शव वाहन का 'मुहूर्त' निकलने तक इंतजार नहीं किया।

हरदोई के वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश सिंह का निधन, पत्रकारिता जगत में शोक की लहर

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। पत्रकारिता जगत और समाजसेवा के एक युग का आज अंत हो गया। अपने ओजस्वी लेखन और अनुशासित व्यक्तित्व से दशकों तक समाज को दिशा देने वाले वरिष्ठ पत्रकार व ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन लखनऊ मंडल के अध्यक्ष अखिलेश सिंह अब हमारे बीच नहीं रहे। आज सुबह उनके आकस्मिक निधन की खबर ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है।मिली जानकारी के अनुसार, आज सुबह लगभग 4 बजे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें तत्काल शहर के बालाजी हॉस्पिटल ले गए, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था; अस्पताल परिसर में ही उन्होंने

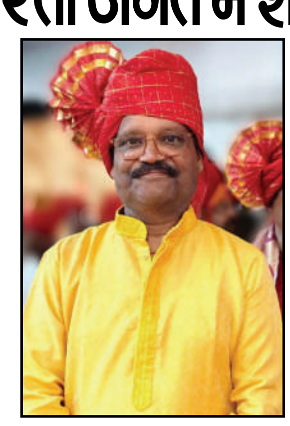

अपनी अंतिम सांसें लीं।

अखिलेश सिंह केवल एक नाम नहीं, बल्कि निष्पक्ष पत्रकारिता की एक संस्था थे। श्री डालसिंह मेमोरियल स्कूल के प्रबंधक के रूप में उन्होंने शिक्षा की लौ जलाई, तो वहीं एक पत्रकार के रूप में हमेशा सच का साथ दिया। वे अपने सिद्धांतों के पक्के और समय के पाबंद थे। उन्होंने अनगिनत युवा पत्रकारों को कलम की ताकत और जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया। उनका सरल स्वभाव और दूसरों की मदद का जज्बा उन्हें भीड़ से अलग खड़ा करता था।अखिलेश सिंह जी का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव आशा में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। जैसे ही उनके निधन की सूचना फैली, पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निवास पर पत्रकारों, शिक्षाविदों, राजनेताओं और उनके शुभचिंतकों का तांता लगा हुआ है। हर आंख नम है और हर जुबां पर उनके साथ बिताए गए संस्मरण हैं।₹अखिलेश जी का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि पत्रकारिता के उस ऊंचे मानदंड का गिरना है जिसे उन्होंने बड़ी मेहनत से खड़ा किया था। यह क्षति अपूरणीय है।₹ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह वज्रपात सहने की शक्ति प्रदान करें।

सहकारी ग्राम विकास बैंक के अध्यक्ष के लिए रामविलास श्रीवास ने अपना नामांकन दाखिल किया

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए कुरारा निवासी रामविलास श्रीवास ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। उनके अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन पत्र नहीं खरीदा, जिससे उनका निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है यह नामांकन कुरारा के ब्लॉक सभागार में नोडल अधिकारी कानूनगो अशोक निगम, बैंक मैनेजर बीएन उपाध्याय और फील्ड ऑफिसर आलोक श्रीवास्तव की मौजूदगी में किया गया। रामविलास श्रीवास ने भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में अपना पर्चा भरा निवर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रजकिशोर गुप्ता, जिला सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष संतोष गुप्ता, डायरेक्टर किशन व्यास, कुरारा ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल, नगर पालिका हमीरपुर के अध्यक्ष कुलदीप निषाद, कुरारा चेयरमैन आशारानी कबीर, सहकारी ग्राम विकास बैंक के निवर्तमान अध्यक्ष कामता कुशवाहा, भाजपा नेता राजेंद्र श्रीवास, देवेंद्र सिंह, भाजपा कुरारा के मण्डल अध्यक्ष मोहन कुशवाहा, महामंत्री दिनेश द्विवेदी, दीपक सिंह गौर, राहुल द्विवेदी, सुनील कुशवाहा, अभिषेक त्रिपाठी, रेनू सिंह, उपाध्यक्ष प्रभात श्रीवास्तव और अनुज द्विवेदी, सुशील परिहार, अमित वर्मा सहित लगभग एक सैकड़ा भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

न्यूनतम 6 व्यक्ति की अर्हता समाप्त कर अधिकांश गरीबों को मिले आयुष्मान कार्ड का लाभ : डॉ.एम. एल. गुप्ता

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई): नगर के विख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मुरारीलाल गुप्ता जन कल्याण समिति शाहाबाद के अध्यक्ष ने सरकार की जन कल्याणकारी योजना आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना का लाभ देश के अधिकांश व्यक्तियों को नहीं मिलने के संदर्भ में उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करते हुए प्रदेश सरकार से पुनः आयुष्मान कार्ड बनवाने में आने वाली दिक्कतों एवं प्रदेश व देश के अधिकांश गरीबों को आयुष्मान कार्ड की अर्हता के चलते वंचित रहने से नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सरकार पुनः आयुष्मान कार्ड की अर्हता समाप्त कर देश के अधिकांश गरीबों को लाभान्वित किए जाने के उद्देश्य से आयुष्मान कार्ड जन कल्याण योजना में संशोधन पर विचार करने की बात कही। सरकार की जन कल्याण योजना आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना का लाभ गरीब व्यक्तियों को नहीं मिल पा रहा है। जिसकी मुख्य वजह परिवार में न्यूनतम 6 व्यक्ति होने की अर्हता है, जिससे अधिकांश गरीब लोग (विशेष रूप से हिंदू वर्ग के अधिकांश उक्त योजना के लाभ से वंचित हैं। क्योंकि अधिकांश हिंदू अपने राष्ट्रीय दायित्वों को दृष्टिगत रखकर कम बच्चे पैदा करते हैं) जोकि अर्हता के अनुसार योजना से लाभान्वित नहीं हो पाते है। जिससे अधिकांश गरीब लोग सरकार की इस जन कल्याणकारी योजना का न ही लाभ उठा पाते है बल्कि समाज में गलत संदेश भी जाता है कि इस तथाकथित हिंदूवादी सरकार में भी उनके हितों का ध्यान नहीं रखा जाता है। उन्होंने बताया जन कल्याण योजना आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के नियमों में सुधार कर परिवार में कम से कम 6 सदस्य होने की बाध्यता समाप्त की जाए जिससे समाज का बड़ा वर्ग इसका लाभ उठाए। डाक्टर मुरारीलाल गुप्ता ने बताया इसके लिए उन्होंने क्षेत्रीय विधायक प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी से भी कई बार उक्त विषय से संबंधित बात की इतना ही नहीं उसके बावत सांसद है प्रकाश रावत से भी अपनी बात कही । किंतु अब तक उनकी गरीबों के कल्याणार्थ सदन में बात नहीं रखी गई। जिससे जनप्रतिनिधियों की जनता के प्रति सजगता स्पष्ट नजर आ रही है

किस्त से बचने को रची 'चोरी' की झूठी साजिश, पुलिस ने युवक को भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। कर्ज की किस्त न भर पाने के दबाव में इंसान किस हद तक जा सकता है, इसका एक चौंकाने वाला मामला हरदोई के कोतवाली देहात क्षेत्र में सामने आया है। पुलिस ने ऑटो रिक्शा चोरी की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर उसकी साजिश का भंडाफोड़ कर दिया है।रामनगरिया लक्ष्मीपुरवा निवासी विजय गुप्ता ने कोतवाली देहात में सूचना दी थी कि उसका ऑटो रिक्शा चोरी हो गया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज किया और छानबीन शुरू की। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, पुलिस को विजय की बातों में विरोधाभास नजर आने लगा।सख्ती से पूछताछ करने पर विजय ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि ऑटो रिक्शा फाइनेंस पर था और वह उसकी किस्तें जमा नहीं कर पा रहा था। कर्जदारों के तगादे और बैंक की कार्यवाही से बचने के लिए उसने खुद ही अपने ऑटो को छिपा दिया और पुलिस को चोरी की झूठी कहानी सुना दी।कोतवाली देहात पुलिस ने न केवल आरोपी विजय गुप्ता को गिरफ्तार किया, बल्कि उसकी निशानदेही पर छिपाया गया ऑटो रिक्शा भी बरामद कर लिया है। ₹कानून के साथ खिलवाड़ और झूठी सूचना देना भारी पड़ सकता है। पुलिस हर पहलू की सूक्ष्मता से जांच करती है, अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, पकड़ा जरूर जाएगा।

धूप से फसले खिली पुरवाई ने बढ़ा दी किसानों की चिंता

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। पिछले एक सप्ताह से खिल रही धूप से दलहनी-तिलहनी फसलों में सुधार नजर आने लगा है। धूप पाकर मटर, मसूर, चना, अरहर, सरसों, अलसी की फसल में फूल चढ़ने लगा है। इसी बीच पिछले तीन दिनों से चल रही पुरवाई ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। पुरवाई से फसलों में कीट पतंग की संख्या में इजाफा होने की संभावना बनने लगी है करीब एक माह तक कोहरा पड़ने के बाद पिछले एक सप्ताह से खिल रही धूप ने दलहनी-तिलहनी फसलों की सेहत पर काफी सुधार किया है। बगैर बरसात के पड़ रहे कोहरे से यह फसले खराब होने की कगार पर पहुंचने लगी थी लेकिन जैसे ही धूप मिली है यह फसले पुनः लहलहाकर फूलों से अच्छादित होने लगी है। धूप से फसलों की सेहत जरूर सुघर रही हैं लेकिन तीन दिन से चल रही पुरवाई से इन पर फिर संकट मंडराने लगा है। किसान मानसिंह, राधेश्याम सिंह, चंद्रभान कुशवाहा, घसीटा कुशवाहा, कल्लू धुरिया, गुरु सिंह, सुरेश यादव, प्रदीप गुप्ता आदि ने बताया कि पुरवाई चलने से माहू के साथ सूड़ी का प्रकोप दलहनी तिलहनी फसलों में नजर आने लगा है। अगर हवा का रुख जल्द नहीं बदलता और फसलों को पछुआ हवा का साथ नहीं मिलता तो इनको बचाने के लिए कीटनाशक का छिड़काव करना मजबूरी हो जाएगी। इससे फसलों की लागत बढ़ेगी। कृषि रक्षा इकाई के तकनीकी सहायक अजित कुमार शुक्ला ने कहा कि अगर कीट पतंगे बढ़ रहे है तो समय पर कीटनाशक दवाओ का छिड़काव करें।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

भारतीय स्त्रियां गणतांत्रिक व्यवस्था के प्रति पूरी आस्था रखती है, वे इसे व्यापक संदर्भों में देखती है। उनके लिए गणतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, परिवार-समाज की एक ऐसी संरचना है, जो आपस में सबको जोड़ती है। स्त्रियों का मानना है, घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जो जीवन मूल्य सहेजता है। आज की स्त्रियों का यह भी मानना है कि घर-परिवार का लोकतंत्र मजबूत है तो देश का गणतंत्र भी हमेशा मजबूत रहेगा।

नए युग में स्त्री के लिए गणतंत्र के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

कभी-कभी बदलाव शोर मचाकर नहीं, दबे पांव भी आते हैं और भीतर ही भीतर विचलित कर देते हैं। ऐसे बदलाव धीरे से आकर हमारे भीतर बैठ जाते हैं, हमें पता तब चलता है, जब हम स्वयं को पहले जैसा नहीं पाते। इस तकनीकी युग के आगमन के साथ स्त्री की सजगता और स्वतंत्रता के दायरे में एक मौन के साथ गहरा बदलाव घटित हुआ है। यह बदलाव केवल सुविधा का नहीं, बल्कि मां के अनुभव और उसकी नैतिक समझ को चुनौती देने वाला है, मानो समय के प्रवाह में अचानक आईने रख दिए गए हों, जिनमें स्त्री को स्वयं को नए सिरे से देखने की चुनौती आ खड़ी हुई हो। खासतौर पर वे स्त्रियां, जिनके बच्चे बढ़ रहे हैं, पढ़ रहे हैं। जिन्हें बच्चों के अनुभव, अनुभूति, अभिव्यक्ति को तराशना है, उनके लिए यह तकनीकी दौर का संविधान, पहेली जैसा है।

बदलते समय का चक्र: सत्तर के दशक की मां के हाथ में छड़ी होती थी। वह छड़ी क्रूरता का प्रतीक नहीं, बल्कि वह स्पष्टता का संकेत थी। उसमें सीमा थी, अनुशासन था, और एक ऐसी नैतिक रेखा थी, जिसे लांघने से पहले बच्चा ठिठकता था, सोचता था, डरता था। फिर भी उस दौर की मां को उसकी संतान डर से नहीं, प्रेम, भरोसे और एक सहज स्नेह के साथ देखती थी। समय बदला। मां ने भी समय के साथ स्वयं को बदला। मांओं की दुनिया में घर के अलावा विद्यालय, ऑफिस, हवाई अड्डे, बस अड्डे आदि जुड़ने लगे तो उनके हाथ में छड़ी की जगह उपहार आ गए, संवाद, सुविधा, समझाइश, सहमति। यह परिवर्तन किसी हार का नहीं, संवेदनशीलता के विस्तार की यात्रा के रूप में देखा गया। लेकिन समय यहीं नहीं रुका। यह ऐसा समय है, जो न छड़ी से अनुशासित होता दिख रहा है और न ही उपहारों से साधा जा सकता है। यह न स्नेह से पिघलता है, न डांट से रुकता है। यहां स्कूल का होमवर्क हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जटिल डेटा, सब कुछ क्षण भर में सुलझ जाता है। स्त्री यह सब देख रही है।

जटिलताओं का अंबार: मां की भूमिकाएं बदल रही हैं। आज की स्त्री के पास जटिलताओं का अंबार है। उसे अपने भीतर ठहरकर सोचना होगा कि यदि सब कुछ इतना तात्कालिक, असुविधा रहित होता चला गया, तो अनुभव कहां जाएगा? संघर्ष कहां टिकेगा? चिंतन की वह धीमी आग कहां सुलगेगी, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने में मदद करती है। ऐसी विधि जो मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, संवेदनशील भी बनाती है। भय यह नहीं है कि एक दिन मशीन मनुष्य बन जाएगी। भय यह है कि मनुष्य अपने सोचने, ठहरने और गलती करने के अधिकार से वंचित हो जाएगा, और तब यह दुनिया कैसी होगी, इसकी कल्पना ही सिहरन पैदा करती है, क्योंकि जिस गति से मनुष्य दौड़ रहा है, वह मानव तो रहने वाला है नहीं। यहीं से स्त्री का गणतंत्र जन्म लेता है। किसी उद्घोष से नहीं, बल्कि इस गहरी चिंता से कि मनुष्य कैसे बचा रहे?

स्त्री के लिए संविधान शब्दों से नहीं व्यवहार से लिखा जाता है: अंतिम निर्णय किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, मनुष्य के भीतर रचे गए विवेक से जन्म लेता है। स्त्री इस विवेक को जानती है, इसलिए उस पर भरोसा करती है। उसके घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जहां संवेदना कोई सजावटी मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की अमूल्य शर्त है। वहां दक्षता उपयोगी हो सकती है, पर निर्णायक नहीं, उपलब्धि दिख सकती है, पर मनुष्यता से बड़ी नहीं होती। आज की स्त्री दोहरे मोर्चों पर डटी है। वह ऐसा घर बनाना चाहती है, जहां गणतंत्र किसी एक दिन का उत्सव नहीं, रोज का अभ्यास बने। छोटे-छोटे निर्णयों में, सुने गए प्रश्नों में, रोके गए मुद्दों में और उस सावधानी में, जिससे मनुष्य को परिणामों में नहीं बदला।

आज की सबसे बड़ी चुनौती: स्त्री जानती है कि प्रतीक जरूरी हैं, पर संरचना सजगता से बनती है। आज की स्त्री अनुभव से सीख चुकी है कि यदि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित है, तो वह अपने घर को प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। वह नहीं चाहेगी कि बच्चे आंकड़ों में ढलें और संबंध माप-तौल में सिमट जाएं। आज की स्त्री की समझ सीधी भी है और गहरी भी। अगर नहीं है तो वह अपनी समझ गहरी करती है, क्योंकि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित रहा, तो देश के गणतंत्र को बचाने के लिए बाहर किसी संघर्ष की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मानवता का गणतंत्र न भय पर टिका है, न किसी प्रलोभन पर, बल्कि उस स्वतंत्र सोच और सजग उपस्थिति पर टिका है, जो समय की आंखों में आंखें डालकर प्रश्न कर सके। क्योंकि जीवन भूलों में रहकर ही अपने लिए बेहतर चुनना सीखता है, और यही प्रक्रिया मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। पर जिस गति से मशीन, मानवीय समय को स्थिर करती हुई मानकीकृत शक्ति को भस्मासुर की तरह बढ़ा रही है, वहां सबसे बड़ी चुनौती यही है कि मनुष्य अपनी अनुभूति, धीमी गति और चूक की संभावना को बचाए रखे। ऐसे समय में स्त्री को किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि संतुलन साधने के उपाय खोजने होंगे, ताकि तकनीकी साधन बनी रहे, निर्णायक न बने, और जीवन अपनी स्वाभाविक लय में बहता रहे। यही उसका गणतंत्र है, अघोषित, पर हर दिन जिया जाने वाला, निरंतर।

स्त्री के लिए चेतना की एक संरचना है गणतंत्र

आज की जागरूक स्त्री के लिए गणतंत्र केवल कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि चेतना की एक संरचना है। एक ऐसा आंतरिक संविधान, जो शोर में नहीं, आत्मसंवाद में रचा जाता है। यह वह गणतंत्र है, जहां सुविधा से पहले विवेक की बात की जाती है। गति से पहले ठहराव आता है और उत्तर से पहले प्रश्न पूछे जाते हैं। क्योंकि प्रश्न पूछना ही मनुष्य की अंतिम आजादी है। स्त्री जानती है कि तकनीक को न तो पूरी तरह नकारा जा सकता है, न आंख मूंदकर अपनाया जा सकता है। इसलिए वह गणतंत्र की गरिमा संसद के शोर में नहीं, अपने घर की चुप्पी में बचाने का संकल्प लेती है। घर जहां वह हर दिन, अनजाने ही, अपना संविधान लिखती है। इस संविधान में सबसे पहले अनुभव का अधिकार सुरक्षित होता है। हर समस्या का त्वरित समाधान नहीं दिया जाता। बच्चे को सोचने दिया जाता है, उलझने दिया जाता है, गिरने और उठने का अवसर दिया जाता है, क्योंकि जीवन उत्तरों से नहीं, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया से बड़ा होता है। यहां प्रश्न पूछना अपराध नहीं होता। यहां असहमति अवज्ञा नहीं कहलाती। मशीन से उत्तर लेने से पहले मनुष्य से संवाद किया जाता है। शब्दों के बीच की खामोशी को भी सुना जाता है, समझा जाता है। यहां तकनीक साधन होती है, निर्णायक नहीं। चैटजीपीटी सहायक है, जीवनचर्या का विकल्प नहीं।

नेतृत्वशील बनकर मजबूत करें देश का गणतंत्र

अगर आपके भीतर नेतृत्व के गुण हैं तो आप सशक्त होकर देश के गणतंत्र को भी मजबूत करने में अपना योगदान दे सकती हैं। नेतृत्वशील कैसे बनें, जानिए-

भूमिका

नलिन खोईवाल

आप किसी भी क्षेत्र में हों, आपके भीतर नेतृत्व क्षमता यानी लीडरशिप की क्वालिटी है तो आप न सिर्फ तरक्की पाएंगी, सशक्तिकरण की राह पर भी आएंगी। इस तरह महिलाएं सशक्त बनकर, अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह करके देश के विकास में अपना योगदान देकर, देश का गणतंत्र मजबूत कर सकती हैं। आप भी नेतृत्वशील बनिए। इसके लिए आपके भीतर कुछ खूबियों का होना जरूरी है, ये कौन-सी हैं, जानिए-

त्वरित निर्णय लेने की क्षमता: अच्छा नेतृत्व वही कर सकता है, जो अच्छा प्रबंधक हो। अच्छा प्रबंधक बनने के लिए त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कोई बात सही है या नहीं, योजना उचित है या नहीं, निर्णय न्यायसंगत है या नहीं, इसके लिए स्वविवेक से निर्णय लेने की भी क्षमता होना बहुत जरूरी है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवाभावी: कुशल नेतृत्व वही कर सकता है, जिसके भीतर दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा हो। आप जो भी निर्णय लें दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ लें। साथ ही आपका व्यक्तित्व सेवाभावी और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए।

चेहरा हो मुस्कान भरा: एक हंसता-मुस्कराता चेहरा, सौ मर्ज की दवा है। एक मधुर मुस्कान भारी से भारी थकान को चुटकी में दूर कर देती है। सफल प्रबंधन के लिए जरूरी है कि आप स्वभाव से हंसमुख भी हों।

ईमानदार, सामर्थ्यवान और बुद्धिमान बनें: आप जिस भी संस्थान में काम कर रही हों, वहां पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। काम कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, आपके भीतर उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की सामर्थ्य होनी चाहिए।

सोच हो सकारात्मक: आप जहां भी अपनी सेवाएं दें, नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी सेवाएं दें। जैसी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। कर्म में विश्वास करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

समय प्रबंधन हो कुशल: नेतृत्व में कुशल महिलाएं हमेशा समय का उचित प्रबंधन करके चलती हैं, क्योंकि कम समय में बहुत सारे काम करने होते हैं। समय के साथ चलें और समय की कीमत को पहचान कर आगे बढ़ें। सफलता के लिए जरूरी है कि कार्य की प्राथमिकता तय कर कार्यों का निष्पादन करें।

बनें परिवर्तनशील और बढ़ावा दें नवचारिता को: परिवर्तन संसार का नियम है, परिस्थितियों के अनुसार प्रतिष्ठान की कार्यशैली में बदलाव करती रहें। नए-नए प्रयोग कर नवचारिता को बढ़ावा दें। इससे संस्थान में स्वस्थ वातावरण बनेगा, सबकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

हो समर्पण और टीम भावना: आप काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहें और जरूरत पड़ने पर त्याग करने के लिए तत्पर रहें। सभी को साथ लेकर चलें, टीम भावना का विकास करें, क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।

व्यक्तित्व हो सरल-सादगीपूर्ण: आपका व्यक्तित्व ऐसा सरल और सादगीपूर्ण होना चाहिए कि दूसरों पर एक अच्छा प्रभाव छोड़े और आप लोगों के लिए एक मिसाल बनें। दिखावे की जिंदगी न जिएं। सादा जीवन-उच्च विचार को महत्व दें।

व्यवहार हो मृदु: एक टीम लीडर के रूप में आपका प्रयास यही हो कि कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे, इससे लोग अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे। आप भी निश्चिंत होकर अपने कार्य का निर्वहन अच्छे से कर पाएंगी।

यहां बताई गई इन बातों को ध्यान में रखेंगी तो सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी। देश के विकास में आपकी अहम भूमिका होगी।

वसंत ऋतु में निहित भावबोध को समझें तो यह हमारे भीतर की एक अनुभूति भी है, जीवन जीने की एक कला है। आज की स्त्रियां इस जीवन कला को पूरे मन से अपना रही हैं, अपने संग अपनों के जीवन को वासंती रंगों से संवार रही हैं।

वसंत को जीवनपर्यंत जीती हैं स्त्रियां

जीवनशैली

सरस्वती रमेश

वसंत ऋतु परिवर्तन, सृजन, ज्ञान और नवजीवन का द्योतक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी, शीत ऋतु के अंत और वसंत ऋतु के आगमन का संदेश लेकर आता है। एक तरह से यह प्रकृति की ऊष्मा को जीवन में उतारने का संदेश लेकर भी आता है। इस संदेश को अपनाने में महिलाएं सबसे आगे होती हैं। वसंत और महिलाओं की प्रकृति का यह साम्य आजीवन बना रहता है।

घर में बिखेरती हैं वसंत की सुगंध: एक स्त्री के जीवन का वसंत ठीक वैसा ही होता है, जैसा प्रकृति के बाहरी स्वरूप में दिखाई पड़ता है। जिस तरह प्रकृति अपने भीतर के साज, कोमलता, रंग, गंध और जीवन को वसंत के माध्यम से अभिव्यक्त करती है, ठीक वैसे ही एक स्त्री प्रकृति के इन विशेषणों को अपने जीवन और आचरण में धारण कर अपने घर-परिवार में बारहों महीने वसंत होने का अहसास भरती है। कोयल के कूकने में, आम्र मंजरियों की सुगंध में, सरसों के पीले फूलों को देखने में जो आनंद की अनुभूति होती है, कुछ-कुछ वैसी ही अनुभूति एक स्त्री सुबह-सुबह चाय की प्याली में भर कर घर भर में बिखेर देती है। उसके पकाने-खिलाने, सजाने-संवारने, पालने-पोसने से जुड़ी हर क्रिया में वसंत का ही राग और रंग निहित होता है। परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल रखकर उनके जीवन में खुशी और संतुष्टि के फूल घर की स्त्री ही खिलाती है। स्त्री के परिश्रम और समर्पण से ही उसके घर के कोने-कोने में वसंत हर समय मुस्कुराता है।

अपनों के जीवन में घोलती हैं रंग: स्त्रियों के जीवन का वसंत कोमल या संकुचित नहीं जीवंत, कर्मठ और विस्तृत होता है। आज की स्त्री अपने जीवन में वसंत लाने के साथ ही अपने पूरे परिवार के सपनों में रंग भी भरती है। वसंत का अर्थ भी यही है। हर ओर फूल, हर ओर हरियाली, हर ओर खुशहाली। उसका मानना है कि जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जीवन में संतुष्टि, कामयाबी, प्रेम, अपनत्व और प्रसन्नता का वसंत नहीं महसूस करेगा, तब तक उसके जीवन में आया वसंत एकाकी और उल्लासहीन रहेगा। उसमें उल्लास तभी शामिल होगा, जब उसके अपनों के मन के तार भी एक साथ झंकृत हों। इसीलिए आज की स्त्रियों ने घर-परिवार और बाहरी संसार के बीच कुछ इस तरह संतुलन बनाना सीख लिया है कि हर ओर वसंत मुस्कुरा उठे।

पराए को बना लेती हैं अपना: स्त्री के जीवन में वसंत जीवन भर उसके संग-संग सहचर बना रहता है। बचपन के दिनों में बाबुल के आंगन में उनकी चहचहाहट, किशोरवय की उनकी खिलखिलाहट वसंत के फूलों की तरह घर-आंगन में झरती रहती है। बेटियों के लिए उनके मां-बाप का दुलार-प्यार उनके जीवन के वसंत का सबसे मोहक पक्ष होता है। बहू के रूप में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी और देवर को सम्मान और स्नेह के सुगंध से अपना बना लेती हैं। पत्नी के रूप में अपने पति के जीवन का तो वसंत ही बन जाती हैं। ऐसी खिलती और महमहाती हैं कि पराया घर, पराए लोग कब अपने बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

लुटाती हैं वसंत की ऊष्मा: स्त्रियां घर-परिवार में मनाए जाने वाले पर्व-त्योहारों में नए रंग भर देती हैं। रिश्तों में मायूसी की सारी बर्फ, ठिठुरन, ठहराव की शीत पर वसंत की ऊष्मा छिड़कते हुए हर ओर अपनेपन और प्यार के फूल खिलाती हैं, जीना सिखाती हैं।

स्किन को यंग बनाएगा केले का छिलका

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

हम अकसर केला खाने के बाद उसका छिलका डस्टबिन में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि केले का छिलका आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है? केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी-6, विटामिन-सी, पोटेशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जो कि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटेशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

फेस मास्क: यह फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गंदगी हट जाए अन्यथा इसके पॉजिटिव रिजल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकती हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकती हैं।

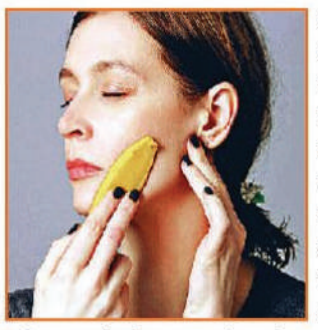

फाइन लाइंस के लिए: अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइंस आनी शुरू हो गई है या दाग-धब्बों से परेशान हैं। तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसके बाद आधे घंटे तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

रिंकल्सफ्री स्किन के लिए: केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़ें, फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 25 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

स्किन टोनिंग के लिए: केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ताजे ठंडे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील-मुंहासों को चेक करने में भी मदद मिलेगी।

डार्क सर्कल के लिए: आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस-पास 15-20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आंखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा।

इस बार वसंत ऋतु में सरस्वती पूजन का पर्व और राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) का संयोग, अपने में कई संदेश लेकर आया है। संदेश यह कि हमारे प्रोत्साहन से बेटियां अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं।

हमारी बेटियां बनें विवेकशील-सशक्त

नई सोच

चैतन्या

वसंत, नव सृजन और उल्लास की रुत है। यह मौसम हर ओर खिले रंग-बिरंगे फूलों और भंवरों की गुंजन के बीच नई ऊर्जा संग जीवन से जुड़ जाने का उल्लास साथ लाता है। मां शारदा की उपासना का उत्सव, वसंत पंचमी भी सर्दी के कुहासे से निकलकर प्रकृति की रौनक से मिलने का पर्व है। ज्ञान, संगीत और कला की देवी वीणावादिनी के अर्चन का पर्व मन से रचनात्मक और जीवन को उल्लासित दृष्टि से देखने वाली बेटियों के लिए भी बहुत अहम होता है। हमारे परिवारों में समय के साथ आए बदलावों ने इस पर्व को और सार्थक बना दिया है। बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता के प्रति बदली सोच वसंत पंचमी के उत्सव से जुड़े सुंदर-स्नेह भरे रंगों से मिलवाती है। जिसमें देवी की आराधना के साथ ही बेटी की अनुभूतियों को समझने का भाव भी जुड़ गया है।

लाडलियों के ज्ञान का मान: बेटियां हमेशा से ही घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। उनकी खिलखिलाहट के बिना हर उत्सव अधूरा लगता है। बेटियों की खुशी और उल्लास अपनों के जीवन में वासंती रंग भर देते हैं। नृत्य-संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में बेटियों की खूब रुचि रहती है। एक समय था, जब उनके अस्तित्व को घर के बाहर की दुनिया से जोड़कर नहीं देखा जाता था। कलात्मक क्षेत्रों में उनके रुझान को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अब बेटियां अपनी कला, बुद्धि और विवेक से हर ओर छाई हुई हैं। परिवार से लेकर समाज और देश के आंगन तक, बेटियों की मौजूदगी दिखती है। उनकी भागीदारी ही नहीं ज्ञान का भी मान होने लगा है। लाडलियों की रचनात्मकता पर अब उनके अपने गर्व करते हैं। ऐसे में ज्ञान, कला और संगीत की देवी के पूजन का पर्व और प्रासंगिक लगता है। वैसे भी वसंत पंचमी का त्योहार पौराणिक और धार्मिक महत्व का ही नहीं सृजनात्मक कार्यों की नई शुरुआत के लिए भी बहुत खास होता है। इस दिन बेटियां भी माता सरस्वती से अपनी प्रतिभा निखारने का आशीर्वाद मांगती हैं।

सशक्त बनाता स्नेह: हमारे घरों में अब बेटियों को देश की शिक्षित-सजग नागरिक बनाने वाला स्नेही भाव साफ दिखता है। यह बदलाव हर बालिका को सही मायने में सशक्त बनाने वाला है। कहते हैं कि अज्ञान का अंधकार दूर होने से ही जिंदगी में सुनहरा सवेरा होता है। मां सरस्वती की उपासना का यह पर्व भी मन को चेतनामयी बनाने का ही तो उत्सव है। देखने में आ रहा है कि अब बिटिया के जज्बाती भावों को नहीं, जागरूक सोच को भी जरूरी माना जाने लगा है। अपनी लाडलियों को प्रभावी व्यक्तित्व की धनी बनाने पर जोर दिया जाता है। जिसके चलते ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा की उपासना की रीत वाले हमारे परिवेश में बेटियां भी अपनी बुद्धि और समझ के बल पर नित नए आसमान छू रही हैं। हर दिन अपनी जिजीविषा और प्रतिबद्धता के बल पर कुछ कर गुजरने के उदाहरण सामने आते रहते हैं।

भविष्य की बुनियाद: असल में वसंत की दस्तक को सार्थक विचारों का आगमन भी माना जाता है। बेटियों के प्रति बर्ताव में आया अर्थपूर्ण बदलाव, परिवार ही नहीं, पूरे समाज के भविष्य की बुनियाद बनाने की भी शुरुआत है। घर-परिवार में लाडलियों के प्रति लगाव का भाव उनके स्वतंत्र अस्तित्व और आकांक्षाओं की स्वीकार्यता के सुखद पहलू लिए है।